विश्व हिंदी समाचार

(विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस का त्रैमासिक प्रकाशन)

www.vishwahindi.com

वर्ष: 10 | अंक: 37 | मार्च, 2017

विश्व हिंदी दिवस 2017 के अवसर पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री का संदेश

अपार हर्ष का विषय है कि विदेश मंत्रालय तथा सभी विदेश स्थित भारतीय दूतावासों द्वारा प्रत्येक वर्ष दस जनवरी का दिन 'विश्व हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

हिंदी विश्व में सर्वाधिक प्रचलित भाषाओं में से एक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते प्रभाव के साथ विश्व के सभी देशों में हिंदी सीखने में और अधिक रूचि बढ़ी है। हिंदी भाषा का आज तकनीक से जुड़ाव निश्चय ही हिंदी को विश्व भाषा के रूप में स्थापित करने में सहायक सिद्ध होगा।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मैं सभी हिंदी प्रेमियों तथा हिंदी भाषियों को बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों में और अधिक तेज़ी आएगी।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई और नव वर्ष की शुभकामनाएँ।

नरेन्द्र मोदी

विश्व हिंदी सचिवालय शासी परिषद् के नए सदस्य

विश्व हिंदी सचिवालय भारत सरकार व मॉरीशस सरकार की द्विपक्षीय संस्था है। विश्व हिंदी सचिवालय की शासी परिषद् में मॉरीशस की ओर से माननीय श्री सीताना लक्ष्मीनारायदू, विदेश, क्षेत्रीय एकीकरण और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री तथा माननीय श्री पृथ्वीराजसिंह रूपन, कला एवं संस्कृति मंत्री सदस्य बने।

विश्व हिंदी सचिवालय व विश्व हिंदी समुदाय की ओर से मॉरीशस गणराज्य के नए प्रधान मंत्री माननीय श्री प्रवीण कुमार जगन्नाथ तथा शासी परिषद् के नए सदस्यों को हार्दिक बधाई व अभिवादन।

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के आधिकारिक कार्यारंभ की 9वीं वर्षगाँठ

11 फ़रवरी, 2017 को विश्व हिंदी सचिवालय ने मॉरीशस के शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय तथा भारतीय उच्चायोग के सौजन्य से महात्मा गांधी संस्थान के सुब्रमण्यम् भारती सभागार, मोका में, अपने कार्यारंभ दिवस की 9वीं वर्षगाँठ मनाई। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं तथा अतिथि वक्ता के रूप में भारत के प्रसिद्ध शिक्षाविद्, श्री अतुल कोठारी को आमंत्रित किया गया था।

पृ. 7

विश्व हिंदी दिवस 2017 : विश्व भर में

विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में, विश्व भर में हिंदी की अनेक गतिविधियों का आयोजन होता है। इस वर्ष भी विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस व देश की अन्य संस्थाओं तथा विश्व की अन्य कई जगहों भारत, बाली, बर्मिंघम, वेनेज़ुएला, फ़िजी, जर्मनी, बोत्सवाना, दक्षिण अफ़्रीका, चीन, श्रीलंका, युक्रेन, लंदन, कनाडा, पुर्तगाल, ऑस्ट्रेलिया, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, ऑस्ट्रिया आदि में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में कई गतिविधियाँ आयोजित हुईं। विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस सहित विश्व भर में आयोजित विश्व हिंदी दिवस की रिपोर्ट पढ़ें। *पृ. 2-6*

विशाखापट्नम में चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

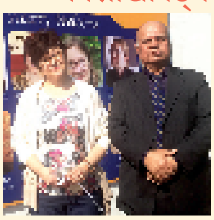

6-8 जनवरी, 2017 को हिंदी संगम प्रतिष्ठान, गीतम विश्वविद्यालय, न.रा.का.स., विशाखापट्नम और लोक नायक फ़ाउण्डेशन, विशाखापट्नम के संयुक्त तत्वावधान में गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापट्नम में चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य देशों, जहाँ अहिंदी भाषियों को हिंदी पढ़ाई जाती है, के शैक्षणिक विशेषज्ञों के बीच संबंध स्थापित करना था। सम्मेलन का शीर्षक - '***अन्य भाषा के रूप में हिंदी का पठन-पाठन, शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य, भाषा-योजना और कार्यक्रम विस्तार***' था। *पृ. 8*

विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा आयोजित कवि-सम्मेलन

13 फ़रवरी, 2017 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय, भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस तथा कला एवं संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, फ़ेनिक्स में एक भव्य कवि-सम्मेलन का सफल आयोजन किया। मॉरीशस तथा भारत से पधारे कवियों ने अपनी प्रस्तुति से इस काव्य-संध्या की शोभा बढ़ाई। *पृ. 8*

आगे देखें :

- मॉरीशस में अभिमन्यु अनत कृत 'आप्रवासी घाट के तीन दिन' का मंचन पृ. 8
- 'भारतीय भाषाओं में लोक-साहित्य' विषय पर दो-दिवसीय संगोष्ठी पृ. 9
- इंडोनेशिया में 13वाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन पृ. 9
- क्रोएशिया में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय परिसंवाद पृ. 10
- 12 भाषाओं में पढ़ सकेंगे 30 हज़ार वेबसाइट्स पृ. 16
- हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में यूट्यूब पर सारी सुविधाएँ पृ. 16
- 'विश्व हिंदी पत्रिका 2017' के लिए शोध आलेख आमंत्रित पृ. 16

ISSN 1694-2485

विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस द्वारा विश्व हिंदी दिवस 2017

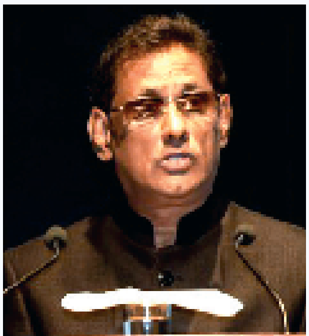

मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति, महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी, जी. ओ. एस. के.

13 जनवरी, 2017 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय तथा भारतीय उच्चायोग के सौजन्य से इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, फ़ेनिक्स में विश्व हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया।

मुख्य अतिथि, मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति, महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी, जी. ओ. एस. के. रहे।

बीजिंग, चीन के दक्षिण एशियाई विभाग के प्रोफ़ेसर व दक्षिण एशियाई केंद्र के निदेशक, प्रो. जिंगकुई ज्यांग को स्मारक-चित्र प्रदान करते हुए (दाएँ से बाएँ) प्रो. विनोद कुमार मिश्र, महामहिम श्री अशोक कुमार, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन व महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी

शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन तथा कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अशोक कुमार तथा सार्वजनिक मूलढाँचा तथा भूमि परिवहन मंत्री माननीय श्री नन्दकुमार बोधा ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

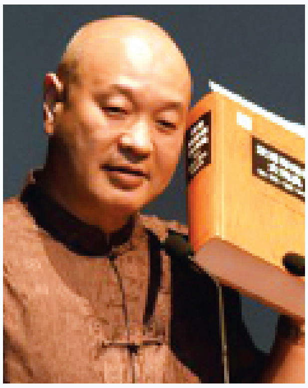

पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में दक्षिण एशियाई विभाग के प्रोफ़ेसर व दक्षिण एशियाई केंद्र के निदेशक, प्रो. जिंगकुई ज्यांग

सचिवालय ने इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में दक्षिण एशियाई विभाग के प्रोफ़ेसर व दक्षिण एशियाई केंद्र के निदेशक, प्रो. जिंगकुई ज्यांग को हिंदी प्रेमियों के समक्ष प्रस्तुत किया, जिन्होंने *'हिंदी का वैश्विक परिप्रेक्ष्य : चीन के विशेष संदर्भ में'* विषय पर वक्तव्य दिया। महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी ने मॉरीशस में हिंदी के इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि ***"गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरितमानस द्वारा उपार्जित प्रेरणा से हिंदी हमारे पूर्वजों के संघर्षपूर्ण जीवन की भाषा है, जिसके माध्यम से उन्होंने अपने मनोबल को बनाए रखा।"***

शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन

माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन ने सचिवालय के कार्यों की सराहना की तथा सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ***''हिंदी प्रेमियों के लिए आज हिंदी की उपलब्धियों को मनाने का दिवस है।''*** अपने वक्तव्य में माननीया मंत्री ने हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता तथा सूचना एवं प्रौद्योगिकी की उन्नत संभावनाओं को रेखांकित भी किया। साथ ही, उन्होंने सन् 2018 में होनेवाले विश्व हिंदी सम्मेलन में सभी लोगों की सहायता की अपेक्षा करते हुए कहा कि ***''इस महायज्ञ में आप सभी की आहुति की अपेक्षा करती हूँ।''***

कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त, मॉरीशस, महामहिम श्री अशोक कुमार

महामहिम श्री अशोक कुमार, कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त ने इस अवसर पर भारत गणराज्य के प्रधान मंत्री, महामहिम श्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि ***"भारत और मॉरीशस दोनों देश लम्बे समय से सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं और इन संबंधों को मज़बूत करने में हिंदी ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।"*** उन्होंने विश्व हिंदी सचिवालय के कार्यों की प्रशंसा की तथा शुभकामनाएँ दीं।

विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र

समारोह के आरंभ में सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने उपस्थित महानुभावों व सभी अतिथियों का स्वागत किया और सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

समारोह में सचिवालय ने अपने वार्षिक प्रकाशन विश्व हिंदी पत्रिका के 8वें अंक (मुद्रित व वेब प्रारूप) का लोकार्पण किया। इस अंक में विभिन्न देशों से प्राप्त 44 लेख प्रस्तुत किए गए हैं। पत्रिका में हिंदी के विविध आयामों को शोध आलेख के रूप में प्रस्तुत किया गया। यह अंक सचिवालय के वेबसाइट www.vishwahindi.com पर भी उपलब्ध है।

साथ ही, महासचिव ने विश्व हिंदी दिवस 2017 के उपलक्ष्य में वर्ष 2016 में आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता' के परिणामों की घोषणा की। इस अवसर पर मॉरीशसीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

विश्व हिंदी सचिवालय के वार्षिक प्रकाशन 'विश्व हिंदी पत्रिका' के 8वें अंक का लोकार्पण

कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के कलाकारों द्वारा ***'हिंदी भाषा, राष्ट्र की भाषा'*** शीर्षक से हिंदी गान तथा कथक नृत्य की प्रस्तुति हुई। साथ-साथ, मॉरीशस अकादमी ऑव पर्फ़ोर्मिंग आर्ट्स द्वारा ***'अंधेर नगरी चौपट राजा'*** नाटक का मंचन हुआ।

'अंतरराष्ट्रीय हिंदी वाचन प्रतियोगिता 2016' के मॉरीशसीय विजेता
दाएँ से बाएँ : (वर्ग अ – प्रथम पुरस्कार : सुश्री वन्दना धनपत), (वर्ग आ – प्रथम पुरस्कार : श्रीमती तीना जगू मोहेशा) तथा (वर्ग आ – द्वितीय पुरस्कार : श्री काशीनाथ सोमदत्त)

अन्य गतिविधियाँ

13 जनवरी, 2017 को प्रो. जिंगकुई ज्यांग ने कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अशोक कुमार से तथा 16 जनवरी, 2017 को मॉरीशस गणराज्य के कार्यवाहक राष्ट्रपति, महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले वायापुरी, तत्कालीन प्रधान मंत्री, महामहिम श्री अनिरुद्ध जगन्नाथ तथा शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन के साथ औपचारिक भेंट की। 17 जनवरी, 2017 को महात्मा गांधी संस्थान के सुब्रमण्यम् भारती सभागार में शिक्षकों तथा छात्रों सहित हिंदी प्रेमियों के सान्निध्य में ***'चीन में हिंदी भाषा शिक्षण : दशा और दिशाएँ'*** विषय पर एक शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया।

प्रो. ज्यांग जिंगकुई ने शैक्षणिक-सत्र के अंतर्गत कहा कि हिंदी सबकी भाषा है और हर व्यक्ति इस भाषा को इच्छानुसार सीख सकता है। सीखते समय इस भाषा के प्रति प्रेम बढ़ता जाता है। इसी बढ़ते प्रेम के कारण उन्होंने पी.एच.डी. के स्तर तक हिंदी का अध्ययन किया। प्रो. ज्यांग जिंगकुई ने सभागार में उपस्थित विद्यार्थियों को लगन के साथ भाषा सीखने का प्रोत्साहन दिया। शैक्षणिक-सत्र के समापन में प्रो. जिंगकुई ने बड़े सरल ढंग से प्राध्यापकों एवं छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिए और महात्मा गांधी संस्थान में आमंत्रित होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

'सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

9-10 मार्च, 2017 को कालिंदी महाविद्यालय में हिंदी अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 'सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्‌घाटन-सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सुधीश पचौरी रहे। इस अवसर पर स्वागत-वक्तव्य हिंदी अकादमी के सचिव, डॉ. जीतराम भट्ट ने दिया। उद्‌घाटन-सत्र के अंतर्गत हिंदी अकादमी की उपाध्यक्षा, श्रीमती मैत्रेयी पुष्पा और दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष, प्रो. मोहन तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. ग. फ़ू. फ़िंग, निदेशक, हिंदी विभाग, शीआन इंटरनेशनल स्टडीज़, चीन ने वक्तव्य प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी को चार सत्रों में बाँटा गया था, जिसके अंतर्गत अलग-अलग विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, संस्थानों के प्रोफ़ेसर, शोधार्थियों, विद्वानों एवं पत्रकारों ने शोध-पत्र प्रस्तुत किए।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रो. ग. फ़ू. फ़िंग ने की तथा प्रो. मोहन ने बीज-वक्तव्य दिया। सत्र के मुख्य वक्ता 'जन मीडिया' पत्रिका के संपादक एवं लेखक डॉ. अनिल चमड़िया थे।

द्वितीय सत्र के बीज वक्ता पत्रकार एवं लेखक, श्री महेश दर्पण रहे तथा मुख्य वक्ता श्री अरुण भगत रहे। इस सत्र का संचालन डॉ. ऋतु ने किया।

दूसरे दिन, तीसरे सत्र की मुख्य वक्ता प्रो. कुमुद शर्मा रहीं तथा अध्यक्षता प्रो. ऊ. जो. किम ने की। इस सत्र का संचालन श्री हेमंत रवि रमण ने किया।

चौथे सत्र में श्री अमितेश मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर श्री निखिल आनंद गिरी तथा विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

समापन-सत्र के मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमचंद पतंजलि रहे। संगोष्ठी की संयोजिका, डॉ. आरती सिंह तथा सह-संयोजिका, डॉ. विभा ठाकुर थीं। दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सोशल मीडिया और साहित्य के बदलते स्वरूप के सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों पर प्रकाश डालते हुए, सोशल मीडिय के प्रभाव को सभी विद्वानों ने एकमत से स्वीकार किया। इस संगोष्ठी में 74 शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

मंच संचालन डॉ. मंजु शर्मा ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ. विभा ठाकुर ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

डॉ. विभा ठाकुर की रिपोर्ट

विश्व हिंदी दिवस 2017 : विश्व भर में

बाली, इंडोनेशिया

9 जनवरी, 2017 को भारतीय महावाणिज्य दूतावास, बाली, इंडोनेशिया तथा ब्रह्म कुमारी देनपसार, बाली द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ उपवाणिज्यदूत, महामहिम श्री सुब्राता सरकार के स्वागत-भाषण से हुआ। इसके बाद, उन्होंने भारतीय प्रधान मंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया। कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी से संबंधित अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कविता-पाठ, परिचर्चा, गायन आदि। इसी शुभावसर पर महावाणिज्य दूतावास ने प्रवासी भारतीय दिवस भी मनाया।

साभार : बाली ट्रावेल न्यूज़

बर्मिंघम

14 जनवरी, 2017 को भारत के प्रधान कौंसुलावास, बर्मिंघम में विश्व हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया। दीप-प्रज्वलन के बाद, प्रधान कौंसुल, महामहिम जितेन्द्र शर्मा ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर एक हिंदी कवि-सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. नरेन्द्र ग्रोवर, डॉ. कृष्ण कुमार, सुश्री वंदना मुकेश शर्मा, सुश्री शिखा वार्ष्णेय, डॉ. कृष्ण कन्हैया, डॉ. निखिल कौशिक, सुश्री रमा जोशी, डॉ. अजय त्रिपाठी, डॉ. सत्य शर्मा, सुश्री शैल अग्रवाल, सुश्री उषा वर्मा व श्री संदीप नैय्यर ने अपनी कविताओं का पाठ किया तथा उनको हिंदी पुस्तकें भेंट की गईं। समारोह में कई प्रसिद्ध हिंदी कवियों, लेखकों, भारतीय समुदाय व साहित्यिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

साभार : भारतीय कौंसुलावास, बर्मिंघम का वेबसाइट

कराकस, वेनेज़ुएला

10 जनवरी, 2017 को सांता मारिया विश्वविद्यालय में भारतीय राजदूतावास, कराकस द्वारा विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। राजदूतावास द्वितीय सचिव, श्री दयाल सिंह ने स्वागत-भाषण दिया तथा विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का संदेश भी पढ़ा। भारतीय राजदूत, महामहिम श्री राहुल श्रीवास्तव, डॉ. होसे सेबाजोस गमरडो, रेक्टर, डॉ. कार्लोस एनरिक पेन्या, वाईस रेक्टर, श्री अलहन्द्रो होसे विडाल, निदेशक 'लॉ विभाग' श्रीमती मारयेला रॉड्रिगेज़, निदेशक विदेश विभाग, अन्य संकाय सदस्य व सांता मारिया विश्वविद्यालय के कुछ छात्र सहित वेनेज़ुएला में बसे प्रवासी भारतीयों ने भी इस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर महामहिम श्री राहुल श्रीवास्तव व डॉ. कार्लोस एनरिक पेन्या ने सभा को संबोधित किया।

साभार : भारतीय राजदूतावास, कराकस का वेबसाइट

फ़िजी

10 जनवरी, 2017 को भारतीय उच्चायोग, फ़िजी द्वारा भव्य रूप से विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। फ़िजी के स्वास्थ्य मंत्री, माननीय श्री रोज़ी अक्बर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मंत्री जी द्वारा फ़िजी में हिंदी के प्रचार-प्रसार में संलग्न लोगों को सम्मानित किया गया। हिंदी और ई. तेऊकेई गायक जिमी सुभयदास, फ़िजी ब्रोड्कास्टिंग कोर्पोरेशन की सुश्री नूरजहाँ, फ़िजी के प्रसिद्ध कवि श्री कमल प्रसाद मिश्र, हिंदी कवयित्री एवं समर्पित अध्यापिका सुश्री श्वेता को 'श्री अमीचंद पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इन्होंने कविता-पाठ भी किया। अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के हिंदी विद्यार्थियों ने एक परेड भी किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती किरण माला ने किया व द्वितीय सचिव, श्री अनिल शर्मा ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

साभार : भारतीय उच्चायोग, सुवा का फ़ेसबुक पृष्ठ
श्री अनिल शर्मा की रिपोर्ट

फ़्रैंकफ़र्ट, जर्मनी

10 जनवरी, 2017 को फ़्रैंकफ़र्ट में भारतीय महाकौन्सुलावास में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। महावाणिज्यदूत, महामहिम श्री रवीश कुमार ने अपने स्वागत-भाषण में एक भाषा के रूप में हिंदी के महत्व पर ज़ोर दिया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि जर्मनी और भारत के प्रख्यात हिंदी विद्वान डॉ. इंदु प्रकाश पाण्डेय थे, जिन्होंने हिंदी और अवधी के साथ-साथ जर्मन भाषा में कई पुस्तकें लिखी हैं। डॉ. पाण्डेय ने *'हिंदी भाषा पर वैश्विक भाषाई प्रभाव'* विषय पर एक व्याख्यान दिया। इस उपलक्ष्य में हिंदी भाषा, व्याकरण और साहित्य पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल 9 टीमों ने भाग लिया, जो फ़्रैंकफर्ट के भारतीय सांस्कृतिक संगठनों, भारतीय कार्यालयों और भाषा-संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रही थीं।

साभार : भारतीय महाकौन्सुलावास, फ़्रैंकफ़र्ट का वेबसाइट

गोबोर्नी, बोत्सवाना

15 जनवरी, 2017 को श्री सत्य साई सेंटर, गोबोर्नी में भारतीय उच्चायोग, बोत्सवाना द्वारा विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि बोत्सवाना गणराज्य के स्थानीय सरकार और ग्रामीण विकास के सहायक मंत्री, माननीया सुश्री बोतलोज़िल शिरलेटसो रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ महामहिम डॉ. केतन शुक्ल, भारतीय उच्चायुक्त, बोत्सवाना एवं माननीया सुश्री बोतलोज़िल शिरलेटसो द्वारा दीप-प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, कविता-पाठ और एक समूह परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक सांस्कृतिक नृत्य का प्रदर्शन हुआ और बच्चों द्वारा 'पर्यावरण-सुरक्षा' नामक नाटक का मंचन हुआ।

साभार : भारतीय उच्चायोग, बोत्सवाना का वेबसाइट

गौटेंग, दक्षिण अफ़्रीका

10-14 जनवरी, 2017 को हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ़्रीका तथा भारतीय महावाणिज्यदूत के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। सप्ताह भर के कार्यक्रमों में बच्चों के लिए बाल वाणी कार्यक्रम, *'भारतीय डायस्पोरा में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने में हिंदी सिनेमा का योगदान'* विषय पर परिचर्चा और 'पर्यावरण' पर रेडियो कार्यक्रम तथा कविता-पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संघ के हिंदी सेवी शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। समारोह में कई हिंदी प्रेमी उपस्थित थे।

साभार : हिंदी खबर, दक्षिण अफ़्रीका–अंक जनवरी 2017

हॉन्ग कॉन्ग, चीन

8 जनवरी, 2017 को भारतीय कौंसुलावास, हॉन्ग कॉन्ग ने विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया। प्रधान कौंसुल महामहिम श्री पुनीत अग्रवाल ने विश्व हिंदी दिवस के महत्व के बारे में बात की। इस अवसर पर संस्कृति फ़ाउण्डेशन के बच्चों ने पूजा और नृत्य तथा हिंदी पाठशाला के बच्चों ने 'स्वच्छ भारत' पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त 'रिडर्स थिएटर' द्वारा प्रेमचंद की कहानी 'निमंत्रण' पर नाटक मंचन भी हुआ, जिसमें बच्चों और उनके माता-पिता ने भाग लिया। प्रतियोगिता के बाद विभिन्न आयु-श्रेणियों के तहत् विजेताओं को ट्रॉफ़ी तथा हिंदी पुस्तकें दी गईं।

साभार : भारतीय कौंसुलावास, हॉन्ग कॉन्ग फ़ेसबुक पृष्ठ

कैंडी, श्री लंका

10-11 जनवरी, 2017 को महात्मा गांधी सभा, मातले, श्री लंका में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के विभिन्न प्रांतों से आए हिंदी प्रोफ़ेसर रहे। समारोह के दौरान हिंदी कक्षाओं का उद्‍घाटन, 'आसानी से हिंदी कैसे सीखें' नामक कार्यशाला तथा हिंदी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक 'हिंदी स्व-निर्माण संग्रह' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा हिंदी गीत, हिंदी ग़ज़ल व नृत्य प्रस्तुत किए गए।

आभार : श्री हरकेश मीना

कीव, युक्रेन

10 जनवरी, 2017 को भारतीय राजदूतावास, कीव, युक्रेन में विश्व हिंदी दिवस भव्य रूप से मनाया गया। युक्रेन के भारतीय राजदूत, महामहिम श्री मनोज के. भारती ने अपने वक्तव्य में विश्व भर में हिंदी के प्रचार की बात की। उन्होंने यह भी कहा कि आनेवाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय गोष्ठियों में भी हिंदी का अत्यधिक प्रयोग होगा। इस अवसर पर हिंदी निबंध-प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रमाण-पत्र दिया गया। लगभग 50 हिंदी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। युक्रेन के हिंदी शिक्षकों को भी प्रमाण-पत्र दिया गया।

साभार : भारतीय राजदूतावास, कीव, युक्रेन का वेबसाइट

लंदन

9 जनवरी, 2017 को भारतीय उच्चायोग, लंदन में विश्व हिंदी दिवस तथा प्रवासी भारतीय दिवस मनाया गया। उच्चायुक्त, महामहिम श्री यशवर्धन कुमार सिन्हा ने इस अवसर पर प्रधान मंत्री का संदेश पढ़ा। इस अवसर पर भारतीय सामुदायिक संगठनों और हिंदी सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि और कई वरिष्ठ साहित्यकार व युवा पीढ़ी के हिंदी रचनाकार तथा अनेक हिंदी सेवी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

साभार : भारतीय उच्चायोग, लंदन का वेबसाइट

ओटावा, कनाडा

28 जनवरी, 2017 को भारतीय उच्चायोग, ओटावा, कनाडा एवं मुकुल हिंदी विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। संसद के सदस्य, श्री चंदर आर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह का आरंभ प्रार्थना एवं भारत और कनाडा के राष्ट्रीय गीत से हुआ। कार्यक्रम के प्रतिनिधि श्री संजय बंगा ने प्रधान मंत्री का संदेश पढ़कर सुनाया। इसके पश्चात बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, हिंदी गान, कविता-पाठ आदि प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

साभार : भारतीय उच्चायोग, ओटावा का वेबसाइट

पोर्टो, पुर्तगाल

27 जनवरी, 2017 को भारतीय राजदूतावास, लिस्बन, पुर्तगाल, और पोर्टो हिंदू समुदाय एवं पोर्टो विश्वविद्यालय ने विश्व हिंदी दिवस मनाया। प्रथम सचिव, श्री आत्माराम ने प्रधान मंत्री का संदेश पढ़ा तथा लोगों को अपने दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय डायस्पोरा एवं विश्वविद्यालय के छात्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

साभार : भारतीय राजदूतावास, लिस्बन का वेबसाइट

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया

9 जनवरी, 2017 को भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में विश्व हिंदी दिवस तथा प्रवासी भारतीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महावाणिज्यदूत बी. वनलालवौना, माला मेहता, नेविल रोक और पवन लुथरा द्वारा दीप-प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर प्रसिद्ध

लेखिका एवं कवयित्री रेखा राजवंशी द्वारा कविता-पाठ हुआ। साथ ही, प्रवासी भारतीय दिवस के उपलक्ष्य में, एक वीडियो डॉक्यूमेंटेरी प्रस्तुत की गई। एक पैनल परिचर्चा व प्रश्नोत्तर-सत्र का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन नेहा रेबेलो ने किया।

साभार : पब्लिक टेलेग्राफ़

त्रिनिदाद एवं टोबैगो

14 जनवरी, 2017 को चगवानस बोरोह कॉर्पोरेशन, त्रिनिदाद एवं टोबैगो में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। समारोह में शिक्षा मंत्री, माननीय श्री एन्थनी गार्सिया विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माननीय गार्सिया ने अपने वक्तव्य में उन नागरिकों की सराहना की, जो हिंदी की संरक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर चगवानस के उपमहापौर, श्री फ़ैज़ मोहम्मद, अर्जेंटिना के महामहिम राजदूत, भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री बिश्वदीप दे, पारसराम विद्यालय के अध्यक्ष, पं. डॉ. रामप्रसाद पारसराम, आर्य प्रतिनिधि सभा, त्रिनिदाद एवं टोबैगो की प्रधान, डॉ. इन्द्रानी रामप्रसाद, भारतीय संस्कृति राष्ट्रीय परिषद् के अध्यक्ष, डॉ. देवकीननन शर्मा उपस्थित थे।

साभार : कैरिबसीक न्यूज़

विएना, ऑस्ट्रिया

31 जनवरी, 2017 को भारतीय राजदूतावास, विएना, ऑस्ट्रिया तथा विएना विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कविता-पाठ तथा दक्षिण एशिया, तिब्बत और बुद्धिस्ट अध्ययन विभाग द्वारा ***'मालगूडी की बेटियाँ'*** हिंदी नाटक का मंचन किया गया। वर्ष 2017 विएना विश्वविद्यालय के लिए इसलिए भी विशेष रहा कि इसी वर्ष विश्वविद्यालय में हिंदी की पढ़ाई के 100 वर्ष पूरे हुए। इस अवसर पर भारतीय राजदूतावास, विएना में मिशन के उपाध्यक्ष, डॉ. सुहैल एजाज़ ख़ान विशेष रूप से उपस्थित थे।

साभार : भारतीय राजदूतावास, विएना व मोंटेनेग्रो का वेबसाइट

विश्व हिंदी दिवस 2017 : भारत

बुर्ला

10 जनवरी, 2017 को महानदी कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड, बुर्ला में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्री एल. एन. मिश्र,, निदेशक (कार्मिक), एम. सी. एल. ने की। श्री ओ. पी. सिंह, निदेशक तकनीकी परियोजना/योजना सम्मानित अतिथि के रूप में, प्रो. के. पी. गुप्ता, पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी), जि. एम. कॉलेज, संबलपुर विशिष्ट अतिथि व डॉ. वेदुला रामालक्ष्मी अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रो. गुप्ता द्वारा रचित पुस्तक 'सीधी कविताएँ' का विमोचन किया गया तथा एम. सी. एल. के विभिन्न क्षेत्रों एवं मुख्यालय के विभागों में भारत सरकार की राजभाषा-नीति के अनुपालन के लिए ***'महानदी कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड राजभाषा कार्यान्वयन पुरस्कार'*** भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉ. हरिश्चंद्र शर्मा, हिंदी प्राध्यापक, हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा मुख्यालय एवं क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय मुख्य नामित राजभाषा अधिकारी/ नामित राजभाषा अधिकारीगण भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री मुक्तेश्वर सोनकुमार, अनुवादक ने किया एवं श्री बी.आर. साहू ने आभार व्यक्त किया।

साभार : महानदीकोल.इन

जालंधर

12 जनवरी, 2017 को जालंधर के डी.ए.वी. कॉलेज में विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ. संजीव कुमार अरोड़ा मुख्य अतिथि तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष के रूप में उपस्थित थे, जिन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के क्षेत्र में स्वर्णित भविष्य तथा हिंदी भाषा को लेकर विभिन्न विभागों में रोज़गार के अवसरों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की व युवा-वर्ग को हिंदी के प्रति जागरूक होने एवं हिंदी को हृदय से अपनाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कॉलेज के प्रोफ़ेसर एस. एस. खुराना, डीन पब्लिक रिलेशन, प्रो. मनीष खन्ना, डॉ. बलविंदर सिंह, प्रो. शिल्पी, प्रो. महक भल्ला उपस्थित रहे। मंच-संचालन प्रो. डॉ. मीनू तलवार ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रो. संदीपना शर्मा ने किया।

साभार : मिलाप ई पेपर

मुंबई

18 जनवरी, 2017 को बैंक ऑव बड़ौदा के कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि के. के. बिड़ला फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली के निदेशक, डॉ. सुरेश ऋतुपर्ण रहे, जिन्होंने अपने उद्‌बोधन में हिंदी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक, श्री राधाकांत माथुर ने स्वागत-वक्तव्य दिया। उपमहाप्रबंधक (राजभाषा), डॉ. जवाहर कर्नावट ने विश्व हिंदी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। महाप्रबंधक (आई.टी.), श्री एस. एस. घाग ने बैंक के ग्राहकों की आई. टी. के माध्यम से हिंदी एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध की जानेवाली सेवाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर बैंक के कार्यपालक निदेशक, श्री मयंक के. मेहता एवं श्रीमती पापिया सेनगुप्त ने 12 भारतीय भाषाओं में लेन-देन संबंधी एस.एम.एस. सुविधा का शुभारंभ किया। समारोह के अंतर्गत हिंदुस्तानी प्रचार सभा में हिंदी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विदेशी छात्रों ने हिंदी में अपना उद्‌बोधन देकर सबका मन मोह लिया। समारोह का संचालन सुश्री बबीता उपाध्याय ने तथा आभार-प्रदर्शन श्री पुनीत कुमार मिश्र ने किया।

श्री अम्ब्रेश रंजन कुमार की रिपोर्ट

नई दिल्ली

10 जनवारी, 2017 को निगम मुख्यालय, नई दिल्ली में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक स्तर के अधिकारियों के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका उद्‌घाटन निगम के निदेशक (वाणिज्य), श्री राजेन्द्र चौधरी ने किया। इस अवसर पर मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री संजीव स्वरूप एवं अतिथि के रूप में शहरी विकास मंत्रालय के निदेशक (राजभाषा), श्री आर. के. द्विवेदी सहित हिंदी-कार्यशाला में नामित किए गए कार्यकारी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक उपस्थित थे। हिंदी कार्यशाला में व्याख्याता द्वारा हिंदी यूनिकोड तथा स्पीच-टू-टैक्स्ट संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

साभार : एन बी सी सी इंडीया लिमिटेड का फ़ेसबुक पृष्ठ

विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस के आधिकारिक कार्यारंभ दिवस की 9वीं वर्षगाँठ

11 फ़रवरी, 2017 को विश्व हिंदी सचिवालय ने मॉरीशस के शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय तथा भारतीय उच्चायोग के सौजन्य से महात्मा गांधी संस्थान के सुब्रमण्यम् भारती सभागार, मोका में, अपने कार्यारंभ दिवस की 9वीं वर्षगाँठ मनाई। इस अवसर पर शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री, माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस वर्ष सचिवालय ने भारत के प्रसिद्ध शिक्षाविद्, श्री अतुल कोठारी को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया था। कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अशोक कुमार, महात्मा गांधी संस्थान की निदेशिका, डॉ. विद्योत्मा कुंजल, संस्थान के परिषद् के अध्यक्ष, श्री जयनारायण मीतू व अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र ने उपस्थित महानुभावों, गण्यमान्य अतिथियों, हिंदी प्रेमियों, शिक्षकों व छात्रों का स्वागत किया।

इस अवसर पर माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन-लछुमन ने उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए सचिवालय के आधिकारिक कार्यारंभ दिवस की 9वीं वर्षगाँठ की बधाई के साथ उसकी उपलब्धियों व चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ***''सचिवालय की हर वर्षगाँठ पूरी दुनिया के हिंदी प्रेमियों के लिए मील का पत्थर है। इस संस्था के लिए चाहे कितने साल भी बीत जाएँ, उसके सामने हमेशा उपलब्धियों से ज़्यादा चुनौतियाँ रहेंगी।''*** साथ-साथ, उन्होंने सचिवालय के नए भवन के निर्माण-कार्य पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। इसके अतिरिक्त उन्होंने 2018 में होनेवाले अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन को लेकर कहा कि यह चुनौती केवल सचिवालय के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे मॉरीशस के लिए है। उन्होंने भारत तथा मॉरीशस के शैक्षिक सुधारों की समानताओं पर चर्चा की तथा यह भी बताया कि मॉरीशस में हिंदी की जितनी पढ़ाई होती है तथा यहाँ पर जितने विद्वान पाए जाते हैं, इससे हिंदी को वैश्विक भाषा बनाने में बहुत सहायता मिल सकती है।

कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अशोक कुमार ने सचिवालय की स्थापना करने में दोनों देशों की सरकारों तथा जनता के योगदान का उल्लेख किया, जो हिंदी को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में उनकी इच्छा-शक्ति प्रदर्शित करती है। साथ-साथ, उन्होंने विश्व हिंदी सचिवालय की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि ***''सचिवालय के प्रयत्नों से विश्व भर के हिंदी प्रेमियों में न केवल साहित्यिक सृजन की ओर झुकाव बढ़ रहा है, बल्कि आज हिंदी ज्ञान-विज्ञान और टेक्नोलॉजी की भाषा के रूप में भी विश्व की अनेक भाषाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर बढ़ रही है।''***

श्री अतुल कोठारी ने ***'वैश्विक हिंदी : चुनौतियाँ एवं समाधान'*** विषय पर वक्तव्य प्रस्तुत किया। इससे पूर्व भारतीय उच्चयोग की द्वितीय सचिव (शिक्षा व भाषा), डॉ. श्रीमती नूतन पाण्डेय ने श्री कोठारी का परिचय दिया। श्री कोठारी ने हिंदी को वैज्ञानिक भाषा बताया तथा इसमें कई चुनौतियों की उपस्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समाधान का उल्लेख करते हुए कहा कि ***''अपनी भाषा का स्वाभिमान आवश्यक है। हिंदी के उत्थान के लिए पहली शुरूआत 'स्व' से करनी चाहिए।"***

इस अवसर पर श्री मोहनलाल बृजमोहन कृत 'ख़्वाबों की वह ख़ूबसूरत दुनिया' तथा 'वह भूला बिसरा तट' पुस्तकों का लोकार्पण माननीया मंत्री जी द्वारा किया गया। डॉ. अलका धनपत ने लोकार्पण से पूर्व पुस्तकों का संक्षिप्त परिचय दिया। इस अवसर पर कई हिंदी प्रेमी, हिंदी प्राध्यापक, शिक्षक, छात्र तथा अकादमिक उपस्थित थे। मंच-संचालन सुश्री अंजलि चिंतामणि ने किया।

सचिवालय ने अपनी वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में 10 फ़रवरी, 2017 को डी. ए. वी. कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए एक वक्तव्य का आयोजन किया। आमंत्रित वक्ता श्री अतुल कोठारी जी थे।

विश्व हिंदी सचिवालय की रिपोर्ट

विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन

13 फ़रवरी, 2017 को विश्व हिंदी सचिवालय ने शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय, भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस तथा कला एवं संस्कृति मंत्रालय के सौजन्य से इंदिरा गांधी भारतीय सांस्कृतिक केंद्र, फ़ेनिक्स में एक भव्य कवि-सम्मेलन का सफल आयोजन किया।

मॉरीशस तथा भारत से पधारे कवियों ने अपनी प्रस्तुति से इस काव्य-संध्या की शोभा बढ़ाई। मॉरीशस से डॉ. हेमराज सुन्दर, श्री राज हीरामन, श्री साबीर गुदर, श्री धनराज शम्भु व श्रीमती कल्पना लालजी तथा भारत से श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी, श्री दीक्षित दनकौरी, श्री सुशील ठाकुर 'साहिल', डॉ. विवेक गौतम, डॉ. आशीष कंधवे व सुश्री ममता किरण सभागार के विशाल मंच पर विराजमान थे।

इस अवसर पर व्यापार, उद्योग व सहकारिता मंत्री, माननीय श्री सुमीलदत्त भोला, भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम श्री अभय ठाकुर व श्रीमती सुरभी ठाकुर, मंत्रालय के अधिकारी-गण, सचिवालय के आधिकारिक कार्यारंभ दिवस के अवसर पर आमंत्रित अतिथि वक्ता श्री अतुल कोठारी, मॉरीशस की हिंदी शैक्षणिक व हिंदी प्रचारक संस्थाओं के अधिकारी-गण व सदस्य, मॉरीशस के काव्य-रसिक आदि काव्य-संध्या का रसास्वादन करने के लिए उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि श्री लक्ष्मी शंकर वाजपेयी ने की। मंच का संचालन भारत से पधारे कवि डॉ. विवेक गौतम तथा डॉ. नूतन पाण्डेय, द्वितीय सचिव (शिक्षा व भाषा), भारतीय उच्चायोग, मॉरीशस ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र के स्वागत-वक्तव्य से हुआ। प्रो. मिश्र ने अपने स्वागत-वक्तव्य में बड़े ही मधुर शब्दों में कवियों व श्रोताओं का अभिनन्दन किया।

तत्पश्चात् डॉ. नूतन पाण्डेय ने अति कलापूर्ण रीति से मंच का संचालन करते हुए मॉरीशस के कवियों का बारी-बारी से आकर्षक परिचय दिया। भारत से पधारे श्री विवेक गौतम ने भारतीय कवियों का बड़े भावभीने शब्दों में परिचय दिया।

कवियों ने अपने मधुर स्वरों में कविता-पाठ और ग़ज़ल-गान द्वारा उपस्थित काव्य-रसिकों को घंटों तक मंत्र-मुग्ध कर दिया।

15 फ़रवरी, 2017 को ऋषि दयानंद संस्थान में आयोजित एक कवि-सम्मेलन में पुन: इन कवियों की कविताओं का रसास्वादन करने का अवसर प्राप्त हुआ। इनके अतिरिक्त मॉरीशस से श्रीमती सत्यवती सीता रामयाद, श्रीमती अंजु घरभरन एवं श्रीमती सौभाग्यवती धनुकचंद ने भी अपनी-अपनी रचनाओं को बड़े ही प्रभावशाली स्वरों में व्यक्त किया।

डॉ. उदय नारायण गंगू, ओ.एस.के, आर्य रत्न की रिपोर्ट

विशाखापट्नम में चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

6-8 जनवरी, 2017 को हिंदी संगम प्रतिष्ठान, गीतम विश्वविद्यालय, न.रा.का.स., विशाखापट्नम और लोक नायक फ़ाउण्डेशन, विशाखापट्नम के संयुक्त तत्वावधान में गीतम विश्वविद्यालय, विशाखापट्नम में चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य देशों, जहाँ अहिंदी-भाषियों को हिंदी पढ़ाई जाती है, के शैक्षणिक विशेषज्ञों के बीच संबंध स्थापित करना है। सम्मेलन का शीर्षक - 'अन्य भाषा के रूप में हिंदी का पठन-पाठन, शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य, भाषा-योजना और कार्यक्रम विस्तार' था। यह आयोजन गीतम विश्वविद्यालय के सभापति डॉ. एम.वी.वी.एस. मूर्ति एवं लोक नायक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पद्मभूषण डॉ. लक्ष्मी प्रसाद यार्लगड्डा के सक्रिय सहयोग से हुआ।

सम्मेलन में अमेरिका सहित अनेक देशों के भाषा-विशेषज्ञों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें यह परिलक्षित हुआ कि विभिन्न देशों में हिंदी-शिक्षण की विविध शैलियों का विकास उन देशों के विद्यार्थियों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना ज़रूरी है। हिंदी के शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में

रखकर भाषा-योजना बनाई जानी चाहिए और उसका विस्तार होना चाहिए। इस प्रक्रिया में निर्मित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की ज़रूरतों के अनुरूप होने चाहिए ताकि वे भाषा सीखने का संदर्भ जान सकें और पाठ्यक्रम के लक्ष्य की उपयोगिता समझ सकें।

सम्मेलन में कोपनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क से रेने एल्मार, केन विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी से प्रो. जेनिस जेनसेन, न्यू यॉर्क विश्वविद्यालय, न्यू यॉर्क से प्रो. गैब्रिएला निक इलिएवा, वेनिस से प्रो. श्यामा मेढेकर, फ़िलाडेल्फ़िया से ऋतु जयकर, ड्यूक विश्वविद्यालय, नॉर्थ कारोलाइना से कुसुम नापजिक, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस से श्री गंगाधरसिंह गुलशन सुखलाल, पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग से प्रो. माधवेन्द्र पाण्डे आदि विद्वानों ने पत्र प्रस्तुत किए। शिक्षार्थियों को लक्ष्य में रखकर विभिन्न सत्रों में पाठ्यक्रम-निर्माण के अनेक पहलुओं पर चर्चा हुई। विशाखापट्नम में दक्षिण भारत के अनेक विद्यालयों और महाविद्यालयों के अध्यापकों ने हिंदी-शिक्षण-शैलियों पर प्रस्तुतियाँ दीं।

सम्मेलन की अनेक उपलब्धियों में एक यह है कि गीतम विश्वविद्यालय हिंदी भाषा का पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन की शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन गांधी जी के आदर्शों के अनुरूप हिंदी को संवाद और संप्रेषण की भाषा के रूप में अपनाने को तैयार है।

सम्मेलन में यह प्रस्ताव पारित हुआ कि भारतीय प्रवासी संसार में हिंदी पठन-पाठन को सुदृढ़ करने के लिए न्यू यॉर्क क्षेत्र में हिंदी केंद्र की स्थापना के लिए भारत सरकार को हिंदी संगम फ़ाउण्डेशन के साथ सहयोग करना चाहिए। विगत सम्मेलनों में भी यह प्रस्ताव पारित किया जा चुका है कि अमेरिका में हिंदी केंद्र की स्थापना हो।

श्री अशोक ओझा की रिपोर्ट

मॉरीशस में अभिमन्यु अनत कृत 'आप्रवासी घाट के तीन दिन' का मंचन

18 जनवरी, 2017 को महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस के भव्य सभागार में प्रसिद्ध मॉरीशसीय लेखक श्री अभिमन्यु अनत कृत 'आप्रवासी घाट के तीन दिन' एकांकी का सफल मंचन हुआ। महात्मा गांधी संस्थान के सृजनात्मक लेखन व प्रकाशन विभाग के इस अभूतपूर्व प्रयास को कई स्तरों पर सराहना मिली। 'आप्रवासी घाट के तीन दिन' मूल रूप से उन शर्तबंध मज़दूरों के जीवन के महत्वपूर्ण अंश को प्रस्तुत करता है, जब वे मॉरीशस की भूमि पर अपने पहले कदम रखते हैं और यहाँ पर वे प्रथम तीन दिन कष्टपूर्वक बिताते हैं। अनत जी ने एकांकी के प्रथम अंश में मज़दूरों की कठिन यात्रा, उनकी आशाएँ, उनके मोहभंग आदि का मार्मिक चित्रण किया। दूसरे अंश में यह दर्शाया है कि किस प्रकार आप्रवासी यहाँ की परिस्थितियों से अवगत होते हैं तथा विश्व के कई क्षेत्रों से आए हुए, संघर्षों में उलझे हुए लोगों के बीच मानवीय संबंध उत्पन्न होते हैं। एकांकी के अंतिम अंश में यह दर्शाया गया है कि शक्कर कोठियों के लिए मज़दूरों का चयन निर्दयतापूर्वक होता था।

पटकथा से मंचन तक इस नाटक में कई कार्यक्षेत्रों के लोग सम्मिलित हुए। पात्रों के किरदारों को निभाने के लिए महात्मा गांधी संस्थान में सृजनात्मक लेखन व प्रकाशन विभाग की अध्यक्षा, डॉ. राजरानी गोबिन ने कलाकारों का चयन बारीकी से किया। इसमें छात्र, अध्यापक, व्याख्याता, नवोदित तथा प्रौढ़ अभिनेता आदि तो थे ही, साथ ही गारी और क्लारेल नामक ऐसे युवकों ने साथ दिया, जिनका अब तक हिंदी से कोई संबंध नहीं था और उनकी निष्ठा एवं मेहनत का दर्शकों ने तालियों से आदर भी किया। 'आप्रवासी घाट के तीन दिन' को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करने में कला एवं संस्कृति मंत्रालय की ओर से भी पर्याप्त सहायता प्राप्त हुई। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इन भिन्न-भिन्न कार्यक्षेत्रों के लोगों को हिंदी साहित्य तथा सृजनात्मकता को बढ़ावा देने हेतु एक साथ कार्य करते हुए देख, भविष्य के लिए हिंदी-प्रेमी तथा कला-प्रेमी आशावादी हो सकते हैं। इस प्रकार के प्रयासों का स्वागत करने हेतु हिंदी जगत् हमेशा तत्पर रहेगा।

श्री वशिष्ठ कुमार झमन की रिपोर्ट

'भारतीय भाषाओं में लोक-साहित्य' विषय पर दो-दिवसीय संगोष्ठी

17-18 मार्च, 2017 को हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय में केंद्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, ओ.एन.जी.सी., अगरतला के सहयोग से ***'भारतीय भाषाओं में लोक साहित्य'*** विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एवं बीज वक्ता के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक, प्रो. नन्दकिशोर पाण्डेय तथा महामंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद् न्यास, दिल्ली से श्री ऋषि कुमार मिश्र, कार्यवाहक परिसंपत्ति प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नराकास ओ.एन.जी.सी., अगरतला से श्री रोशन लाल मीणा व विश्व हिंदी सचिवालय के महासचिव, प्रो. विनोद कुमार मिश्र विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. अंजन कुमार मुखर्जी ने की।

उद्‍घाटन-सत्र का बीज-वक्तव्य देते हुए प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने कहा कि सभी भाषाओं के बीच संवाद और सौहार्द है तथा हिंदी में अरबी, फ़ारसी, तुर्की और फ्रेंच के अलावा दक्षिण भारतीय भाषाओं-द्रविड़ आदि की भी शब्दावली है। समारोह में 7 सत्रों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. विनोद कुमार मिश्र रहे तथा अध्यक्षता प्रो. नंदकिशोर पाण्डेय ने की। श्री पार्थ शील ने ***'बंग प्रदेश की बृतचारी परंपरा में लोकगीत'*** विषय, श्री रोशनलाल मीणा के कार्यवाहक परिसंपत्ति प्रबंधक एवं अध्यक्ष ने ***'लोक अनुवादों'*** पर, डॉ. सोनम वांग्मू ने ***'मोनपा समाज और उनकी लोक-कथाओं'*** पर, प्रो. संजय ने ***'लोक गीतों के महत्व'*** व प्रो. विजेंद्र ने ***'ब्रजभाषा में लोक साहित्य'*** विषय पर अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता श्री ऋषि कुमार मिश्र ने की। इस सत्र में डॉ. मौसमी पाल ने ***'बंगाल के लोक साहित्य में नारी जीवन'*** पर वक्तव्य दिया। साथ-साथ, श्रीमती अनुराधा, श्रीमती लिली, सुश्री चुमकी साहा, सुश्री वीणापाणि दास तथा श्रीमती अनीता कलई ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए। सत्र का समापन करते हुए अध्यक्ष श्री ऋषि कुमार ने सभी प्रस्तोताओं के प्रपत्रों का विश्लेषण किया। प्रो. दिनेश कुमार चौबे ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

तीसरे सत्र की अध्यक्षता मिज़ोरम विश्वविद्यालय के प्रो. संजय कुमार ने की। देहरादून से श्री प्रवीण कुमार भट्ट ने 'कुमाऊँ लोक गीतों' पर चर्चा की। बीरभूम, पश्चिम बंगाल से आए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सुश्री योगमाया घोष तथा त्रिपुरा विश्वविद्यालय की शोधार्थिनी सुश्री नवाश्रीता मोदक ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए। प्रो. संजय कुमार ने अध्यक्षीय वक्तव्य देकर धन्यवाद-ज्ञापन किया।

चौथा सत्र डॉ. जोरम आनिया ताना की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शोधार्थी श्री बजरंग चौहान, खुमतिया देबबर्मा, विमेन्स कॉलेज, अगरतला, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर, अगरतला के श्री ब्रह्मानंद मिश्र, शोधार्थी बुल्टी दास, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय और हिंदी विभाग से डॉ. सीमा देबबर्मा, शोधार्थियों ने अपने-अपने प्रपत्र प्रस्तुत किए। डॉ. जोरम आनिया ताना ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में अरुणाचल प्रदेश के लोक-साहित्य पर अपनी बात रखते हुए धन्यवाद-ज्ञापन किया।

5वें सत्र तथा 6ठे सत्र में प्रो. चन्द्रकला पाण्डेय ने सभी वक्ताओं के वक्तव्यों का सारगर्भित विश्लेषण करते हुए अपना अध्यक्षीय वक्तव्य प्रस्तुत किया। साथ-साथ, छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 7वें सत्र में प्रो. अनंत कुमार नाथ द्वारा अध्यक्षीय वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। अन्य संगोष्ठी के संयोजक प्रो. बिजेन्द्रनाथ सिंह, क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, शिलांग और स्थानीय-संयोजिका डॉ. मिलन रानी जमातिया सहायक प्राध्यापिका, हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन त्रिपुरा विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक, डॉ. जय कौशल ने किया।

साभार : हिंदी विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय

इंडोनेशिया में 13वाँ अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन

2 से 9 फ़रवरी, 2017 को डेंपासार, बाली, इंडोनेशिया में सृजनगाथा.कॉम द्वारा 13वें अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि दक्षिण भारत की लेखिका डॉ. बी. वाय. ललिताम्बा रहीं। समारोह का उद्‍घाटन व अध्यक्षता हिंदी आलोचक डॉ. खगेन्द्र ठाकुर ने किया।

प्रथम सत्र के दौरान वर्ष 2016 के लिए उत्कृष्ट कथा-लेखन के लिए नेपाल के कुमुद अधिकारी को 'सृजनगाथा डॉट कॉम सम्मान', समाजशास्त्रीय लेखन के लिए श्री राकेश अचल (ग्वालियर) को 'प्रो. सहदेव सिंह स्मृति सम्मान', नाट्य लेखन एवं निर्देशन के लिए मथुरा कलौबू (चेन्नई) को 'सलेकचंद जैन स्मृति सम्मान', उत्कृष्ट लघुकथा-लेखन के लिए डॉ. जसवीर चावला (चंडीगढ़) को 'नए पाठक सम्मान', ग़ज़ल-लेखन के लिए श्री कृष्ण कुमार प्रजापति को 'पं. गिरिजाकुमार पांडेय सम्मान' तथा विभिन्न विधाओं के रचनाकारों को उनके सृजनात्मक योगदान के लिए छत्तीसगढ़ के गौरव पुरुषों की स्मृति में 'प्रतीकात्मक सम्मान' से अलंकृत किया गया।

इसके अतिरिक्त समारोह में 13 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। इसमें डॉ. मनोहर श्रीमाली कृत 'चित्रित आर्ष रामायण'-शोध, डॉ. विनोद मंगलम कृत 'अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन' (आलोचना), डॉ. जसवीर चावला कृत 'प्रबंधन के गुर - बुद्ध के सुर' (साहित्येतर), डॉ. मीनाक्षी जोशी कृत 'समकालीन गुजराती कहानियाँ' (अनुवाद), श्री मथुरा कलोनी कृत 'धतूरे के बीज' (नाटक), डॉ. सुनील जाधव कृत 'मेरे भीतर मैं' (कविता-संग्रह), डॉ. अजय पाठक कृत 'मन बंजारा' (गीत-संग्रह), श्री राधेश्याम भारतीय कृत 'तुम ही नींव हो, तुम्हीं कंगूरे' (गीत-संग्रह), डॉ. संगीता कृत 'गढ़ रे मन गढ़' (कविता-संग्रह), डॉ. एमजी नाडकर्णी कृत 'भूले-बिसरे' (संस्मरण), श्री मुकेश जोशी कृत 'ऑल इज़ वेल' (व्यंग्य-संग्रह) तथा ओड़िया लेखिका मंजुला त्रिपाठी की दो कहानी-संग्रहों का विमोचन किया गया।

द्वितीय सत्र की मुख्य अतिथि गुजरात साहित्य अकादमी की वरिष्ठ सदस्या डॉ. लता हिरानी थीं तथा अध्यक्षता साहित्य अकादमी की गुजराती प्रभाग की सदस्या डॉ. मीनाक्षी जोशी ने की। इसके दौरान ***'जनतंत्र का धर्म : धर्म का जनतंत्र'*** विषय पर केंद्रित संगोष्ठी में विभिन्न विश्वविद्यालयों के अध्यापकों, शिक्षाविदों तथा रचनाकारों ने अपने शोध-आलेख प्रस्तुत किए।

तीसरे सत्र में अंतरराष्ट्रीय रचना-पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें कई लेखकों ने हिंदी, नेपाली, ओड़िया, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी आदि भाषाओं में लघुकथाओं, ग़ज़लों व कविताओं का पाठ किया।

समापन-सत्र एक सांस्कृतिक सत्र रहा, जिसके अंतर्गत वरिष्ठ नाट्य निर्देशक मथुरा कलोनी ने अपनी कृति 'धतूरे के बीज' पर केंद्रित मोनोप्ले किया। साथ-साथ राजस्थान में अगला अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन होने की घोषणा की गई।

डॉ. अशोक कुमार प्रसाद की रिपोर्ट

क्रोएशिया में अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय परिसंवाद

26 मार्च, 2017 को ज़ाग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के भारतविद्या विभाग एवं भारतीय दूतावास, क्रोएशिया के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय हिंदी भाषा दिवस 2017 के उपलक्ष्य में ***'संस्कृत, हिंदी एवं क्रोएशिया : भाषा, साहित्य एवं संस्कृति'*** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय दूतावास के राजदूत, महामहिम श्री संदीप कुमार ने भारत और क्रोएशिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों का उल्लेख किया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. जेलज्को होलयेवत्स, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय ने इंडोलॉजी विभाग की शैक्षणिक एवं अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों की सराहना करते हुए भारतीय दूतावास के प्रति आभार प्रकट किया। प्रथम सत्र प्रो. मिस्लाव येजिव की अध्यक्षता में ***'संस्कृत एवं क्रोएशियन : भाषा, साहित्य और संस्कृति'*** विषय पर संपन्न हुआ। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डॉ. इवान आंद्रियानिच ने की। तृतीय सत्र की अध्यक्षता प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र ने की तथा डॉ. मारिया यान्यिच, शोध-छात्रा, ज़दर विश्वविद्यालय ने ***'इ-ऑन लाइन के माध्यम से हिंदी, संस्कृत एवं अन्य एशियाई भाषाओं के शब्दकोश गठन'*** विषय के अंतर्गत बहुभाषी शब्दकोश प्रकल्प कार्य की चर्चा की। अंत में, प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र ने ***'हिंदी एवं क्रोएशियन भाषा, साहित्य और संस्कृति में साम्यता'*** विषय पर आलेख प्रस्तुत करते हुए भाषा, साहित्य और संस्कृति की अवधारणा और स्वरूप का उल्लेख किया। समापन-समारोह के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चार्ट की प्रतियोगिता के पुरस्कारों की घोषणा की गई।

प्रो. रवींद्रनाथ मिश्र की रिपोर्ट

19वें स्थापना-दिवस के उपलक्ष्य में 5 दिवसीय कार्यक्रम

27-31 दिसंबर, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के 19वें स्थापना-दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 27 दिसंबर को 'पुस्तक मेला : सबद निरंतर' का उद्‌घाटन किया गया, जिसमें 40 से अधिक प्रकाशकों ने अपने स्टॉल्स लगाए। 28 दिसंबर को फ़िल्मोत्सव, 'कहाँ गए गांधी' लघु नाटक-मंचन तथा काव्य-संध्या का आयोजन किया गया। 29 दिसंबर को प्रश्नोत्तरी-प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ख़याल गायन और शहनाई वादन की प्रस्तुति हुई। 30 दिसंबर को वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा महाकवि भास प्रणीत कृत 'दूतवाक्यम' संस्कृत नाटक का मंचन हुआ। इसके अतिरिक्त 31 दिसंबर को फ़ूड फ़ेस्टिवल का उद्‌घाटन सांसद श्री रामदास तडस द्वारा किया गया। समारोह के दौरान अहिंदी-भाषी हिंदी सेवियों को सम्मानित किया गया।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

दो दिवसीय राष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन

6 से 7 फ़रवरी, 2017 को ज़ाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली में भाषा सहोदरी हिंदी द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय हिंदी अधिवेशन का आयोजन किया गया जिसका विषय ***'भाषा नीति एवं हिंदी को रोज़गार से जोड़ने की चुनौतियाँ'*** रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के कुलपति, श्री तलत अहमद रहे तथा विशिष्ट अतिथि श्री सुधांशु त्रिवेदी रहे। समारोह की अध्यक्षता अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रो. मोहन लाल छिपा ने की। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय से पूर्व न्यायाधीश श्रीमती ज्ञान सुधा मिश्र द्वारा सहोदरी की 3 पुस्तकों 'सहोदरी सोपान', 'सहोदरी कथा' और 'सहोदरी पत्रिका' का लोकार्पण किया गया। साथ-साथ काव्य-पाठ का आयोजन भी हुआ। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए 'सहोदरी सोपान तीन' व 'सहोदरी कथा' के रचनाकार और 'सहोदरी पत्रिका' के लेखकों को अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति, माननीय मोहन लाल छीपा द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में देश-विदेश से कई साहित्यकारों व लेखकों की उपस्थिति रही।

साभार : भाषा सहोदरी हिंदी का फ़ेसबुक पृष्ठ

हिंदी एवं हरियाणवी साहित्यकारों व लेखकों का महा-सम्मेलन

18 मार्च, 2017 को हरियाणा में हिंदी एवं हरियाणवी साहित्यकारों एवं लेखकों के महा-सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान 'नए दौर में हिंदी : अभिव्यक्ति के विभिन्न आयाम' व 'डिजिटल हिंदी के 10 सूत्री रोडमैप' पर 10 सत्र आयोजित किए गए थे। सत्रों के दौरान हरियाणा शासन के अंतर्गत आनेवाली सभी शिक्षा संस्थाओं और कार्यालयों में प्रयुक्त सभी कंप्यूटरों में यूनिकोड को अपनाकर इंस्क्रिप्ट कुंजीपटल को सक्रिय करना, हिंदी में टाइपिंग के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्वीकृत मानक पर आधारित इंस्क्रिप्ट कुंजीपटल पर सभी कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों को प्रशिक्षित करना, सभी कंप्यूटर में हिंदी में काम करने के लिए यूनिकोड का अनिवार्य प्रयोग करना, कंप्यूटरों में हिंदी में प्रूफ़िंग टूल्स को सक्रिय करना, प्राथमिक पाठशाला से ही छात्रों को हिंदी कंप्यूटिंग का प्रशिक्षण देना, हिंदी शिक्षकों के कंप्यूटर शिक्षण के लिए विशेष कार्यशालाओं का आयोजन, सरकारी शिक्षण-संस्थाओं और आयोजन-स्थलों (जैसे इंद्रधनुष सभागृह परिसरों आदि) में वाई.फ़ाई 4जी की नि:शुल्क व्यवस्था, हिंदी के इ-शिक्षण (साधन और साध्य के रूप में), हिंदी में विषय-सामग्री के निर्माण के लिए सचिवालय में आधुनिक साधन-सामग्री के साथ हिंदी अनुवाद से संबंधित विषयों के विशेषज्ञों का विशेष कक्ष स्थापित करना तथा हिंदी में इ-प्रकाशन को सुगम बनाने के लिए और इ-पुस्तकों के प्रकाशन से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए माइक्रोसॉफ़्ट द्वारा विकसित एम.एस. पब्लिशर जैसे सॉफ़्टवेयर के व्यापक उपयोग पर चर्चा की गई।

डॉ. परमानंद पांचाल की रिपोर्ट

'हिंदी का वैश्विक विस्तार और इ-शिक्षण की संभावनाएँ' विषय पर संगोष्ठी

2 फ़रवरी, 2017 को शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली में हिंदी विभाग के प्रभारी, डॉ. कुमार भास्कर द्वारा *'हिंदी का वैश्विक विस्तार और इ-शिक्षण की संभावनाएँ'* विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. अशोक चक्रधर ने हिंदी के वैश्विक विस्तार पर अपने विचार प्रकट करते हुए गूगल द्वारा विकसित वॉइस टाइपिंग (Voice Typing) के माध्यम से हिंदी में बोलकर टाइप करने का सफल प्रदर्शन किया। रेल मंत्रालय के पूर्व निदेशक श्री विजय कुमार मल्होत्रा ने *'हिंदी में इ-शिक्षण के नए आयाम'* विषय पर प्रस्तुति की और हिंदी के शिक्षण पर विशेष बल दिया। समारोह में कई छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रतिमा ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन डॉ. कुमार भास्कर ने किया।

आभार : डॉ. एम. एल. गुप्ता (वैश्विक हिंदी सम्मेलन)

एक दिवसीय वैश्विक हिंदी संगोष्ठी तथा पुस्तक-लोकार्पण

9 जनवरी, 2017 को के. सी. महाविद्यालय, चर्चगेट, मुंबई में एक दिवसीय वैश्विक हिंदी संगोष्ठी तथा पुस्तक-लोकार्पण का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा व साहित्य का प्रचार-प्रसार था। समारोह में यू.के. के कथाकार श्री तेजेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि तथा ऑस्ट्रेलिया से श्रीमती शील निगम विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री एम. एल. गुप्त 'आदित्य' ने कहा कि हिंदी के वैश्वीकरण का वास्तविक श्रेय सोशल मीडिया को जाता है, जिसके चलते विश्व भर में हिंदी का प्रसार हुआ है। संस्था के अध्यक्ष, श्री माणिक मुंडे ने भाषा के क्षरण के विभिन्न स्तरों पर कार्य किए जाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इस अवसर पर प्रत्येक वर्ष दिया जानेवाला 'प्रवासी भारतीय रचनाकार सम्मान' यू.के. की साहित्यकार और 'लेखनी' की संपादक श्रीमती शैल अग्रवाल को दिया गया। समारोह के दौरान कराची, पाकिस्तान की मूल सिंधी भाषा की लेखिका अतिया दाऊद की कविताओं का श्रीमती देवी नागरानी द्वारा सिंधी भाषा से हिंदी में अनूदित पुस्तक 'एक थका हुआ सच' का लोकार्पण भी किया गया। इस अवसर पर श्रीमती माधुरी छेड़ा, कथाकार मधु अरोड़ा, डॉ. सतीश पाण्डेय, डॉ. उमेश शुक्ल, ज़ी टी. वी. के रिपोर्टर श्री संजय सिंह, डॉ. प्रवीण चन्द्र बिष्ट, श्री राघवेश अस्थाना, श्री सुनील ज़ोड़े उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन के. सी. महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शीतलाप्रसाद दुबे ने किया।

श्रीमती देवी नागरानी की रिपोर्ट

'अमृतलाल नागर जन्मशती राष्ट्रीय संगोष्ठी'

3-4 मार्च, 2017 को हिंदी लेखक श्री अमृतलाल नागर के जन्मशती के अवसर पर बैंक ऑव बड़ौदा द्वारा दो दिवसीय 'अमृतलाल नागर जन्मशती राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कथाकार श्री पंकज सुबीर रहे। यह पुरस्कार मुंबई विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करनेवाले हिंदी विभाग के विद्यार्थियों को श्री पंकज सुबीर, अध्यक्ष डॉ. सरराजू, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद व बैंक ऑव बड़ौदा, कॉर्पोरेट कार्यालय के उपमहाप्रबंधक (राजभाषा एवं शिक्षण संसाधन केंद्र), डॉ. जवाहर कर्नावट द्वारा प्रदान किए गए। बैंक ऑव बड़ौदा की 'बड़ौदा मेधावी विद्यार्थी सम्मान-योजना' के तहत विश्वविद्यालयीय स्तर के एम.ए. (हिंदी) में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाले देश के 64 विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को क्रमश: रू. 7500 एवं रू. 5000 के नकद पुरस्कार व प्रशस्ति-पत्र से सम्मानित किया जाता है। डॉ. कर्नावट ने देश भर से आए विद्वानों तथा शोधार्थियों को संबोधित करते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए बैंक द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों से अवगत कराया।

श्री मनीष व्यास की रिपोर्ट

कैलिफ़ोर्निया में हुड़दंग कवि-सम्मेलन

4 मार्च, 2017 को लक्ष्मी नारायण मंदिर, कैलिफ़ोर्निया, सैक्रामेण्टो में सामाजिक संस्था युवा यू.एस.ए. द्वारा होली के अवसर पर हुड़दंग कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ. प्रतिभा सक्सेना द्वारा दीप-प्रज्वलन तथा नम्रता, दिव्या और ऐनी द्वारा सरस्वती-वंदना के साथ ही कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस अवसर पर हिंदी भाषा और साहित्य के प्रसार हेतु डॉ. प्रतिभा सक्सेना, डॉ. नीलू गुप्ता और डॉ. शकुंतला बहादुर को 'हुड़दंग सम्मान' से सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में जय श्रीवास्तव, शिवेश सिन्हा, अर्चना पंडा, मंजू मिश्र, प्रांजलि सिरासव, मनीष श्रीवास्तव, शोनाली श्रीवास्तव, चिंतन राज्यगुरु, निहित कौल, आलोक शंकर ने अपनी रचनाएँ सुनाईं। कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि श्री अभिनव शुक्ल ने किया।

श्री अभिनव शुक्ल की रिपोर्ट

प्रो. दिविक रमेश कृत 'खंड खंड अग्नि' काव्य-नाटक का मंचन

20 से 21 फ़रवरी, 2017 को प्रकृति मेट्रो पार्क के 'पंचवटी' मुक्ताकाशी रंगमंच के शुभारंभ के अवसर पर मेट्रो कल्चरल क्लब द्वारा सुप्रसिद्ध कवि प्रो. दिविक रमेश के काव्य-नाटक 'खंड खंड अग्नि' का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन प्रवीण कुमार पंडित ने किया। 'खंड खंड अग्नि' नाटक का यह प्रथम मंचन दिल्ली मेट्रो साहित्यिक संस्था के अपने कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक का प्रथम मंचन था। मेट्रो के एम. डी. सहित समस्त पदाधिकारियों के साथ कई साहित्यकार और संपादक भी उपस्थित थे।

प्रो. दिविक रमेश की रिपोर्ट

'हिंदी में भाषा-प्रयोग, उच्चारण एवं लेखन' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला

30-31 जनवरी, 2017 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में *'हिंदी में भाषा-प्रयोग, उच्चारण एवं लेखन'* विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य हिंदी में भाषा-प्रयोग के दौरान होनेवाली अशुद्धियों एवं त्रुटियों के प्रति जागरूकता लाना है। प्रथम सत्र में भाषा-विज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने 'हिंदी एवं लिपि संरचना तथा व्यंजन ध्वनियाँ' पर चर्चा की। दूसरे सत्र में भाषा-विभाग के पूर्व अध्यक्ष, प्रो. उमा शंकर उपाध्याय ने *'मानक हिंदी-वर्तनी का प्रयोग और वर्तनीगत अशुद्धियाँ, समस्या एवं निराकरण'* विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

दूसरे दिन के तीसरे सत्र के दौरान भाषा विद्यापीठ के संकायाध्यक्ष, डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने *'हिंदी भाषा की व्यावहारिक समस्याएँ'* विषय पर तथा भाषा विद्यापीठ के अध्यक्ष, डॉ. अनिल कुमार पांडेय ने *'शब्द-संरचना और विभक्ति-प्रयोग'* विषय पर चर्चा की।

चौथे सत्र में प्रो. उमा शंकर उपाध्याय ने *'हिंदी भाषा की समस्याएँ एवं निराकरण'* विषय पर वक्तव्य दिया तथा प्रतिभागियों को वर्तनी और व्याकरण की अशुद्धियों को दूर करने का सुझाव दिया। समारोह का संचालन डॉ. शोभा पालीवाल ने किया तथा धन्यवाद-ज्ञापन डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने किया।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

हिंदीतर भाषी नवलेखक शिविर पर आठ दिवसीय हिंदी कार्यशाला

2-9 जनवरी, 2017 को उस्मानिया विश्वविद्यालय के अमेरिकन कार्यक्रम केंद्र, हैदराबाद में केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली एवं तेलंगाना अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर भाषी नवलेखक शिविर का आयोजन किया गया। इस 8 दिवसीय हिंदी कार्यशाला में कविता, कहानी, उपन्यास, एकांकी, निबंध, प्रयोजनमूलक हिंदी, व्याकरण, आलोचना, संस्मरण, यात्रा साहित्य आदि विधाओं पर विस्तार रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान संस्मरण में श्रेष्ठ लेख के लिए श्री रफ़ीकुल हक को 'हिंदी सेवी पुरस्कार' तथा अनुजा बेगम को श्रेष्ठ यात्रा वर्णन लेख के लिए पुरस्कृत किया गया।

श्री रफ़ीकुल हक की रिपोर्ट

कादम्बिनी क्लब की गोष्ठी एवं पुस्तक-लोकार्पण

19 फ़रवरी, 2017 को श्री कृष्णदेव राय सभागार, हैदराबाद में कादम्बिनी क्लब की 295वीं मासिक गोष्ठी, मैसूर के डॉ. रामनिवास साहू की आत्मकथा 'मुझे कुछ कहना है' तथा क्लब प्रकाशन 'पुष्पक-33' का लोकार्पण संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल शर्मा एवं विशेष अतिथि डॉ. शकुंतला रेड्डी रहे। प्रथम सत्र के दौरान प्रो. ऋषभदेव शर्मा तथा डॉ. अहिल्या मिश्र ने महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के रचना-संसार पर अपने विचार व्यक्त किए। द्वितीय सत्र में डॉ. गोपाल शर्मा ने डॉ. रामनिवास साहू कृत 'मुझे कुछ कहना है' तथा क्लब प्रकाशन 'पुष्पक -33' का लोकार्पण किया। डॉ. मदनदेवी पोकरणा ने 'पुष्पक -33' पर तथा श्रीमती लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ने 'मुझे कुछ कहना है' पर समीक्षा की। समापन-सत्र के दौरान श्री ऋतुराज वसंत पर आधारित कवि-गोष्ठी नरेंद्र राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें उपस्थित कवि व कवयित्रियों ने काव्य-पाठ किया।

साभार : इ-पेपर स्वतंत्रवार्ता.कॉम

तीन दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी

19-21 मार्च, 2017 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में तीन दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने की। कार्यक्रम में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, केंद्रीय लेखा परीक्षा, मुंबई के प्रधान निदेशक गुलज़ारी लाल, राजभाषा अधिकारी राजेश यादव मंचासीन थे। इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार ने हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंधों को व्याख्यायित किया। कार्यशाला में देश भर के विभिन्न संस्थानों से पधारे राजभाषा अधिकारी तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन-सत्र में आभार-ज्ञापन, कार्यशाला के संयोजक एवं राजभाषा अधिकारी राजेश कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी ने किया।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

गोवा में व्यंग्य-महोत्सव

17-18 मार्च, 2017 को पार्वती बाई चौगुले कॉलेज ऑव आर्ट्स एंड साईंस, गोवा में सार्थक व्यंग्य-विमर्श एवं लेखन पर चर्चा के अपने अभियान में 'व्यंग्य-यात्रा' द्वारा व्यंग्य-महोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गोवा की राज्यपाल, महामहिम श्रीमती मृदुला सिन्हा तथा विशिष्ट अतिथि श्री विवेक मिश्र, श्री राजेंद्र सहगल, सूर्यबाला, वागीश सारस्वत एवं अध्यक्ष, श्री प्रेम जन्मेजय रहे। महोत्सव को 6 सत्रों में बाँटा गया, जिनके दौरान 'व्यंग्य की विविध विधाओं में आवाजाही' के अतिरिक्त व्यंग्य के परिदृश्य के अंतर्गत कोंकणी एवं मराठी भाषा के हास्य-व्यंग्य परिदृश्य की चर्चा भी हुई। साथ-साथ वागीश सारस्वत द्वारा संपादित 'व्यंग्य चालीसा', विलायतीराम पांडेय कृत 'लालित्य ललित के व्यंग्य संकलन' तथा श्री प्रेम जन्मेजय द्वारा संपादित उत्कृष्ट व्यंग्य रचनाओं के अतिरिक्त व्यंग्य-यात्रा के संस्मरण विशेषांक 'कैमूर टाइम्स' तथा छत्तीसगढ़ के व्यंग्य विशेषांक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ व्यंग्यकार श्री मनमोहन सरल को 'वाग्धाड़ा जीवन गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। कॉलेज के छात्रों एवं अध्यापकों के अतिरिक्त महाराष्ट्र, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात आदि राज्यों के व्यंग्य सहयात्री सम्मिलित हुए। संचालन श्री लालित्य ललित ने तथा आभार-प्रदर्शन डॉ. नन्द कुमार सावंत ने किया।

श्री प्रेम जन्मेजय की रिपोर्ट

'पालि भाषा एवं साहित्य' विषय पर कार्यशाला

19 दिसंबर, 2016 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन-केंद्र द्वारा ***'पालि भाषा एवं साहित्य'*** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। समारोह का उद्‌घाटन विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति, प्रो. आनंद वर्धन शर्मा की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर स्वागत-वक्तव्य संस्कृति विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. एल. कारुण्यकरा ने दिया। उद्‌घाटन समारोह में मुख्य अतिथि भदंत विमलकीर्ति गुणसिरी, पालि भूषण प्रो. बालचंद्र खांडेकर व डॉ. एम. एल. कासारे रहे। कार्यशाला में पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद् के अध्यक्ष एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर ने सभी को संबोधित करते हुए बौद्ध-दर्शन के विषय कर्मविपाक पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह का संचालन डॉ. सुरजीत कुमार सिंह ने किया।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

प्रयाग हिंदी साहित्य सम्मेलन : तीन दिवसीय अधिवेशन

19-21 मार्च, 2017 को पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग में हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग के तीन दिवसीय अधिवेशन का आयोजन किया गया। इस अधिवेशन में कई विषयों पर चर्चा हुई तथा कई प्रस्ताव रखे गए। उद्‌घाटन-सत्र में दीप-प्रज्वलन प्रो. जी. राम ने किया। इस सत्र का विषय ***'समाजशास्त्र'*** रहा, जिसमें डॉ. मीनाक्षी स्वामी, बी. एम. प्रेमा, डॉ. पवन अग्रवाल, ललिन सुरजन, प्रो. महन्य प्रसाद तिवारी, डॉ. विपिन मेहता, डॉ. हरिता जोशी ने भाग लिया।

खुले अधिवेशन-सत्र में प्रो. दिनेश कुमार चौबे ने सम्मेलन के समक्ष कई प्रस्ताव रखे। इस सत्र में अधिवेशन के अध्यक्ष, डॉ. श्याम सिंह 'शशि', विश्वविद्यालय के कुलपति तथा स्वागत-समिति के अध्यक्ष, डॉ. कृष्ण श्रीवास्तव, सम्मेलन के अध्यक्ष, डॉ. सूर्य प्रसाद दीक्षित, मंत्री विभूति मिश्र, सहायक मंत्री श्याम कृष्ण पांडेय, प्रो. दिनेश कुमार चौबे एवं प्रो. माधवेंद्र पांडेय ने भाग लिया।

इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए हिंदी सेवियों व विद्वानों को हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत अरुणाचल प्रदेश के श्री रमण शांडिल्य, शिलांग के शिल्बी पासाह तथा बिमल बजाज, अगरतला के श्री रामेंद्र सुंदर पाल, कार्बी आंगलोंग के श्री उदयभान पांडेय, मणिपुर के श्री गोविंद सिंह, नेहु के विभागाध्यक्ष प्रो. माधवेंद्र पांडेय, डॉ. भरत प्रसाद त्रिपाठी तथा डॉ. हितेन कुमार मिश्र को सम्मानित किया गया। डॉ. श्याम सिंह 'शशि', श्री गोविंद मिश्र व श्री नंद किशोर पांडेय को 'साहित्य वाचस्पति सम्मान' से अलंकृत किया गया।

आभार : प्रो. माधवेंद्र पांडेय का फ़ेसबुक पृष्ठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

3-4 फ़रवरी, 2017 को शिक्षा विद्यापिठ, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा द्वारा ***'एस.पी.एस.एस. सॉफ्टवेयर के माध्यम से आंकड़ों का विश्लेषण'*** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने अध्यक्षता की। कार्यशाला के अंतर्गत डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने समीक्षा बैठक में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा डॉ. शिरीश पाल सिंह ने राष्ट्रीय संगोष्ठियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कर शोध में उसके प्रयोग एवं विश्लेषण की महत्ता पर प्रकाश डाला। माननीय कुलपति ने टी.एल. सी.एच.एस. के भविष्य के लक्ष्यों व उसकी दृष्टि तथा आगामी गतिविधियों को उपस्थित सदस्यों तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाहकार डॉ. पूर्णिमा त्रिपाठी के मध्य साझा किया। साथ ही, उन्होंने शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम विकास, समाज और शिक्षा के बदलते परिदृश्य में शिक्षण-अधिगम-सामग्री और अभिनव मूल्यांकन के स्वरूप व उपकरणों के विकास के क्षेत्र में टी.एल.सी.एच.एस. द्वारा नवचारों के विशिष्ट नियामकों पर प्रकाश डाला।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

मातृ भाषा दिवस समारोह

21 फ़रवरी, 2017 को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के गालिब सभागार में भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग में मातृ भाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। स्वागत वक्तव्य डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने दिया। मातृ भाषा दिवस के अंतर्गत निबंध-लेखन, पेंटिंग, वक्तृत्व, गायन, कविता-पाठ तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, आवासीय लेखक नारायण कुमार, भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. के. के. सिंह, भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष तथा कार्यक्रम निदेशक डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय, भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. अनिल दुबे उपस्थित थे।

श्री बी. एस. मिरगे की रिपोर्ट

'हिंदी के वैश्विक विकास का परिप्रेक्ष्य' विषयक विश्व हिंदी दिवस शोध-संगोष्ठी

10 जनवरी, 2017 को श्रीमती सुशीला मोहनकर के दिशा निर्देशों तथा संकल्पना-दृष्टि के अनुरूप महाराष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय हिंदी समिति की नागपुर शाखा की स्थापना रा.तु.म. नागपुर विश्वविद्यालय के ग्राम गीता भवन, महात्मा ज्योतिबा फुले शैक्षणिक परिसर में विधिवत दीप-प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने शपथ ग्रहण किया। समिति के विधिवत गठन के बाद ***'हिंदी के वैश्विक विकास का परिप्रेक्ष्य'*** विषय पर विश्व हिंदी दिवस शोध संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि श्री मधुप पाण्डेय, प्रख्यात व्यंग्य शिल्पी तथा विशिष्ट अतिथि रा.तु.म. नागपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री पूरण मेश्राम रहे व अध्यक्षता डॉ. यज्ञ प्रसाद तिवारी ने की। इस अवसर पर डॉ. सुनीलकुमार लवटे, डॉ. रेणु बाली, डॉ. ए. सत्तार काजी, डॉ. जयश्री शिन्दे, डॉ. प्रतिभा येरेकर, श्री प्रशान्त कुमार मिश्र, डॉ. कृष्ण कुमार उपाध्याय, डॉ. बसंत त्रिपाठी, श्री मनोज रुपड़ा, डॉ. मधुलता व्यास, श्री तुषार कांत घोष, डॉ. म. मा. कडू, डॉ. ओम प्रकाश तिवारी, डॉ. देवेश शर्मा, सुश्री अर्चना भारती एवं स्कंदनारायण ने अपना-अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। समापन-समारोह स्क्रीन मुद्रणकला के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ श्री मधुसूदन चौबे, मुख्य अतिथि तथा प्रमुख वक्ता डॉ. विजय कलमधार रहे। इस अवसर पर श्रीमती प्रीति गौतम, कु. माया रामशरण बैसवारा तथा डॉ. सपना तिवारी के शोध-आलेख विशेष उल्लेखनीय रहे। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में डॉ. यज्ञ प्रसाद तिवारी ने श्रीमती सुशीला मोहनका सहित समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों, सत्र-संचालकों, सहकर्मियों, विद्वान वक्ताओं तथा देश के कोने-कोने से उपस्थित शोधार्थियों, छात्र-छात्राओं व कर्मचारियों के प्रति आभार प्रकट किया।

डॉ. यज्ञ प्रसाद तिवारी की रिपोर्ट

कनाडा के प्रो. फ़ेरनाँ उएले द्वारा हिंदी से फ़्रेंच में अनूदित 2 पुस्तकों का लोकार्पण

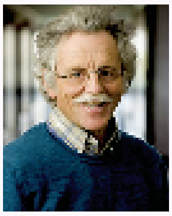

7 मार्च, 2017 को शरब्रूक विश्वविद्यालय, क्यूबेक के समकालीन धार्मिक अध्ययन केंद्र द्वारा *'हिंदी से फ़्रेंच-प्रेमचंद का अनुवाद'* विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्ययन-केंद्र के निदेशक, श्री डेविड कूर्से ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया तथा अनुवाद टीम के सदस्यों तथा विशिष्ट अतिथि, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस से डॉ. रेशमी रामधनी द्वारा प्रस्तुतियाँ हुईं। संगोष्ठी के अंतर्गत प्रेमचंद संबंधित अनेक विषयों पर विचार-विमर्श हुए। तदुपरांत प्रो. फ़ेरनाँ उएले द्वारा अनूदित प्रेमचंद कृत 'गबन' उपन्यास तथा 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के फ़्रेंच संस्करणों 'Gaban' व 'Les joueurs d'echecs' का लोकार्पण किया गया।

साभार : शरब्रूक विश्वविद्यालय, क्यूबेक

बैंकॉक में 'वाल्मीकि रामायण और रामकीर्ति (रामकियन) एक तुलनात्मक अध्ययन' पुस्तक का विमोचन

10 जनवरी, 2017 को चूलालोंग्कोर्न विश्वविद्यालय के कला एवं संस्कृति भवन, बैंकॉक में भारतीय राजदूतावास, चूलालोंग्कोर्न विश्वविद्यालय की कला संकाय की दक्षिण एशियाई भाषा-शाखा तथा भारतीय अध्ययन-केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. करुणा शर्मा द्वारा रचित 'वाल्मीकि रामायण और रामकीर्ति (रामकियन) एक तुलनात्मक अध्ययन' पुस्तक का विमोचन किया गया, जिसमें बैंकॉक में भारतीय राजदूतावास के उपप्रमुख माननीय श्री अब्बागनी रामू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पुस्तक के संबंध में डॉ. शर्मा ने रामकीर्ति की घटनाओं की तुलना के लिए वाल्मीकि रामायण को चुनने का कारण बताया।

समारोह में दूतावास के काउंसलर, श्री के. जी. प्रवीन, चूलालोंग्कोर्न विश्वविद्यालय के भारतीय अध्ययन-केंद्र के निदेशक श्री सूरत होराचायकुल, डीन प्रो. किंगकर्न थेप्कांजना, कला संकाय की दक्षिण एशियाई भाषा-शाखा के प्रमुख, डॉ. छनवित टुडकिओ, भारतीय अध्ययन-केंद्र, थाम्मासाट विश्वविद्यालय की निदेशक एसोसिएट प्रो. डॉ. नुंग्लक, थाईलैंड में संस्कृत के विद्वान श्री चिरापत प्रपंडविद्या, सिल्पाकोर्न विश्वविद्यालय में संस्कृत चेयर पर अध्यापनरत प्रो. एन. सी. पंडा तथा एसोसिएट प्रो. बम्रुंग खामीक, रंगसित विश्वविद्यालय में आयुर्वेद चेयर पर अध्यापनरत प्रो. अजय कुमार शर्मा, थाई भारत सांस्कृतिक आश्रम के सचिव श्री राजमाट्टा आदि के अतिरिक्त कई छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

डॉ. करुणा शर्मा की रिपोर्ट

डॉ. परमानंद पांचाल कृत 'हिंदी भाषा : प्रासंगिकता और व्यापकता' का लोकार्पण

18 जनवरी, 2017 को भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् सभागार, दिल्ली में नागरी लिपि परिषद् के अध्यक्ष, डॉ. परमानंद पांचाल कृत 'हिंदी भाषा : प्रासंगिकता और व्यापकता' का लोकार्पण किया गया। समारोह की अध्यक्षता पद्मश्री श्री श्याम सिंह शशि ने की। इस पुस्तक में हिंदी भाषा और साहित्य, साहित्यकार, इतिहास और संस्कृति, राजभाषा हिंदी, देवनागरी लिपि तथा रोमन लिपि के अतिरिक्त लेखक के दो साक्षात्कार हैं। इस अवसर पर डॉ. प्रेम पातंजलि, डॉ. बृजपाल संत, श्री राधा कान्त भारती, डॉ. विश्रांत वशिष्ट, डॉ. रवि शर्मा, डॉ. अम्बा शंकर मिश्र, डॉ. दिनेश गौड़, डॉ. अतुल कोठारी तथा अनेक प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार उपस्थित थे।

डॉ. परमानंद पांचाल की रिपोर्ट

डॉ. मृदुल कीर्ति की पुस्तक 'पतंजलि योग-दर्शन' का विमोचन

14 मार्च, 2017 को भारतीय संसद भवन, नई दिल्ली में वैदिक साहित्य की विद्वान एवं विख्यात प्रवासी भारतीय लेखिका डॉ. मृदुल कीर्ति की पुस्तक 'पतंजलि योग-दर्शन' का विमोचन भारत की सांस्कृतिक राजधानी वाराणसी का प्रतिनिधित्व करनेवाले एवं भारतीय गणराज्य के प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों द्वारा किया गया। पुस्तक-विमोचन के पश्चात माननीय प्रधान मंत्री ने लेखिका के प्रयास की सराहना की और अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भारतीय वाङ्मय में एक से बढ़कर एक ग्रंथ-रत्न भरे पड़े हैं।

डॉ. राकेश कुमार दुबे की रिपोर्ट

'चंदन की चाहत में' का विमोचन

22 जनवरी, 2017 को रुड़की, उत्तराखंड में हिंदी साहित्योदय साहित्यिक संस्था द्वारा वरिष्ठ कवि सौसिंह सैनी के काव्य-संग्रह 'चंदन की चाहत में' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिव शंकर यजुर्वेदी रहे। इस अवसर पर डॉ. मधुराका सक्सेना, डॉ. शालिनी जोशी पंत, राजीव गुप्ता, मधुर, डॉ. अक्षय प्रताप, सत्य चंदन, प्रेरणा सोलकी, डॉ. विजय कुमार, अनुराधा शर्मा, इरशाद सेवक, एसके सैनी, राजेंद्र कुमार, प्रवीण पुरी, रामकुमार सैनी, प्रेमराज प्रेम, पंडित राजेंद्र व्यास, शिल्पा सजल, सीमा श्री, किसलय क्रांतिकारी, विनय विनम्र, पराग चतुर्वेदी, रामशंकर सिंह, दिनेश कुमार वर्मा, देवेंद्र देव, रतिराम शास्त्री, अनिल पाल आदि उपस्थित थे।

साभार : जागरण.कॉम

'वातायन' पत्रिका का विमोचन

6 मार्च, 2017 को केदारनाथ साहनी सभागार, सिविक सेंटर, उत्तरी दिल्ली में निगम शिक्षा-विभाग द्वारा 'वातायन' पत्रिका का विमोचन किया गया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती ममता नागपाल ने की। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक, श्री कृष्ण कुमार ने स्वागत-भाषण देते हुए विभाग की उपलब्धियों एवं गतिविधियों के साथ भावी योजनाओं का भी समावेश किया। समारोह की अध्यक्षा, श्रीमती नागपाल ने 'वातायन' पत्रिका की चर्चा की।

साभार : ट्रू मीडिया न्यूज़.कॉम

वार्षिक हिंदी सम्मान-समारोह

14 जनवरी, 2017 को हिंदी शिक्षा संघ, मिडलैंड्स, क्वाज़ूलू-नताल प्रान्त, दक्षिण अफ़्रीका ने अपना वार्षिक हिंदी सम्मान-समारोह मनाया। इस अवसर पर 10 बहतरीन छात्रों को पुरस्कृत किया गया तथा हिंदी शिक्षकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही, छात्रों द्वारा एक नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। समारोह में हिंदी शिक्षा संघ की अध्यक्षा, प्रो. श्रीमती उषा शुक्ल, मिडलैंड्स क्षेत्रीय निदेशक, श्री नरेश अमीचंद और भारतीय वाणिज्यदूतावास, डरबन के सदस्य उपस्थित थे।

साभार : हिंदी खबर, हिंदी शिक्षा संघ, दक्षिण अफ़्रीका (अंक फ़रवरी 2017)

अंतरराष्ट्रीय वातायन सम्मान-समारोह 2017

24 मार्च, 2017 को 'वातायन' संस्था द्वारा लंदन के नेहरू-केंद्र में वार्षिक अंतरराष्ट्रीय वातायन पुरस्कार-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय उच्चायुक्त, महामहिम डॉ. यशवर्धन कुमार सिन्हा, महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, नेहरू-केंद्र के सांस्कृतिक मंत्री व निदेशक, माननीय डॉ. श्रीनिवास गोत्रू तथा भारतीय उच्चायोग के समन्वय-मंत्री श्री ए. एस. राजन विशेष रूप से उपस्थित थे। 'वातायन' की संस्थापिका सुश्री दिव्या माथुर सहित केंद्र की उपनिदेशिका श्रीमती विभा मेंहदीरत्ता ने अतिथियों का स्वागत किया तथा 'वातायन' की अध्यक्षा, श्रीमती मीरा कौशिक ने संस्था का परिचय दिया। लेखिका व गायिका, कादम्बरी मेहरा द्वारा सरस्वती-वंदना के पश्चात यू.के. हिंदी समिति के संस्थापक, डॉ. पद्मेश गुप्त ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस वर्ष 'वातायन' संस्था का सबसे प्रतिष्ठित 'वातायन शिखर सम्मान' पश्चिम बंगाल के राज्यपाल एवं विख्यात लेखक व कवि, माननीय श्री केशरीनाथ त्रिपाठी, 'वातायन सांस्कृतिक उपलब्धि पुरस्कार' रेडियो चैनल 1071 एफ़.एम. रेनबो की वरिष्ठ रेडियो जॉकी व मनोरंजन कंपनी ई-बिज़ एंटरटेनमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की निदेशिका सुश्री स्मिता पारिख, 'वार्षिक वातायन कविता सम्मान' डॉ. हरि ओम तथा प्रथम 'वातायन प्रकाशन पुरस्कार' वाणी प्रकाशन के प्रबंध निदेशक व वाणी फ़ाउंडेशन के चेयरमैन श्री अरुण महेश्वरी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन करते हुए श्रीमती मीरा कौशिक ने धन्यवाद-ज्ञापन किया।

सुश्री दिव्या माथुर की रिपोर्ट

अंतरराष्ट्रीय सम्मान समारोह

4 मार्च, 2017 को राजेंद्र भवन न्यास सभाकक्ष, दिल्ली में रूसी-भारतीय मैत्री संघ 'दिशा', मास्को, हिंदी संस्थान-कुरुनेगल, श्री लंका, सामाजिक संस्था 'पहल', दिल्ली तथा साहित्यिक-सांस्कृतिक शोध-संस्था, मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मान-समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि साहित्य गंगा, मुंबई के अध्यक्ष, डॉ. योगेश दुबे रहे तथा अध्यक्षता श्री जे. एस. विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश के कुलपति प्रो. हरिमोहन ने की। कार्यक्रम में डॉ. योगेश दुबे को 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी शलाका सम्मान', प्रो. हरिमोहन को 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी रत्नाकर सम्मान', हैम्बर्ग विश्वविद्यालय के डॉ. रामप्रसाद भट्ट को 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी भास्कर सम्मान', साठ्ये महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष, डॉ. प्रदीप कुमार सिंह को 'अंतरराष्ट्रीय हिंदी मित्र सम्मान' श्री लंका में भारत के उच्चायुक्त, डॉ. प्रज्ञा सिंह को 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य और भाषा सम्मान' तथा हैदराबाद के वरिष्ठ समीक्षक और कवि प्रो. ऋषभदेव शर्मा को 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान' से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ऋषभदेव शर्मा तथा धन्यवाद-ज्ञापन डॉ. विनय कुमार ने किया।

साभार : 'हैदराबाद से' ब्लॉग

पं. तिलकराज शर्मा स्मृति शिखर सम्मान-समारोह

19 फ़रवरी, 2017 को अशोक विहार स्थित सुंदरलाल जैन सभागार, दिल्ली में 'पं. तिलकराज शर्मा स्मृति शिखर सम्मान' समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि तथा ग़ज़लकार श्री बालस्वरूप राही ने की। इस अवसर पर पद्मश्री पं. भजन सोपोरी के हाथों शिक्षा, साहित्य, कला, स्वास्थ्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रगण्य कार्य करनेवाले लोगों को सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वयोवृद्ध शिक्षाविद् व साहित्यकार श्री मुरारीलाल त्यागी को 'शिक्षा सेवा शिखर सम्मान', पंजाबी भाषा के क्षेत्र में डॉ. सरुप सिंह अलग को 'भाषा सेवा शिखर सम्मान', साहित्य के क्षेत्र में प्रसिद्ध हिंदी सेवी तथा व्यंग्यकार डॉ. हरीश नवल को 'साहित्य सृजन शिखर सम्मान', शल्य चिकित्सक डॉ. राजीवनन्दन सहाय को 'संजीवन सृजन शिखर सम्मान', शास्त्रीय गायक व संगीतज्ञ प्रो. ओजेश प्रताप सिंह को 'सुर-सृजन शिखर सम्मान' तथा श्री गजराज सिंह, ए. सी. पी. दिल्ली पुलिस को 'समाज सृजन शिखर सम्मान' से सम्मानित किया गया।

समारोह में प्रो. सादिक़, डॉ. अपर्णा सोपोरी, कवयित्री श्रीमती पुष्पा राही, डॉ. स्नेह सुधा नवल, वरिष्ठ कवि रामकुमार कृषक, वरिष्ठ दोहाकार नरेश शाण्डिल्य, डॉ. रवि शर्मा, 'आधुनिक' पत्रिका के संपादक श्री आशीष कंधवे, संगीतज्ञ डॉ. सोमा, ट्रस्टी अंजू शर्मा, तरुण शर्मा, छाया शर्मा, कवयित्री कुसुम शर्मा, डॉ. सविता चड्ढा, प्रसिद्ध चित्रकार रूपचंद, श्रीकान्त दुबे, वंदना दुबे, रोटे. सुशील गुप्ता, राजेश कंसल सहित साहित्य, कला, संगीत, समाजसेवा एवं चिकित्सा जगत से कई हस्तियों की उपस्थिति रही।

श्री हर्षवर्धन आर्या की रिपोर्ट

डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल को 'आजीवन साहित्य-साधना-सम्मान

17 मार्च, 2017 को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा के मुख्य मंत्री श्री मनोहरलाल ने प्रसिद्ध साहित्यकार और शोध-दिशा के प्रधान संपादक, डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल को 'आजीवन साहित्य-साधना-सम्मान' से अलंकृत किया। गीत, ग़ज़ल, कहानी, एकांकी, निबंध, हास्य-व्यंग्य, बाल-साहित्य एवं समालोचन के क्षेत्र में आपने भरपूर काम किया तथा आपकी संपादित और मौलिक शताधिक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। आपको उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान से 'साहित्य भूषण', केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा 'शिक्षा पुरस्कार', राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा 'प्रथम पुरस्कार', 'विद्यासागर पुरस्कार', 'विद्यावारिधि पुरस्कार', 'रतन शर्मा बाल-साहित्य पुरस्कार', उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा 'सूर पुरस्कार', समन्वय सहारनपुर द्वारा 'सारस्वत सम्मान', 'राष्ट्रधर्म गौरव सम्मान', 'राष्ट्रीय हिंदीसेवी सहस्त्राब्दी सम्मान' आदि सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है।

डॉ. गिरिराजशरण अग्रवाल की रिपोर्ट

12 भाषाओं में पढ़ सकेंगे 30 हज़ार वेबसाइट्स

भारतीय सरकार की 30 हज़ार से अधिक वेबसाइट अगले डेढ़ साल में हिंदी समेत 12 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होंगी। आई.आई.टी. बी.एच.यू., आई.आई.टी. हैदराबाद और सी-डैक, नोएडा इस प्रोजेक्ट पर मिलकर काम कर रहे हैं। ये वेबसाइट्स हिंदी, तमिल, तेलुगू, पंजाबी, उर्दू, मलयाली, कन्नड आदि भाषाओं में होंगीं। आई.आई.टी. बी.एच.यू. के निदेशक, प्रो. राजीव संगल ने बताया कि एक सॉफ़्टवेयर विकसित किया जाएगा, जिसके माध्यम से कोई भी भाषा-भाषी व्यक्ति वेबसाइट की सूचनाओं को अपनी भाषा में खोलकर पढ़ सकेगा। पहले चरण में वेबसाइटों का 12 भाषाओं में अनुवाद किया जा रहा है। इसके बाद 10 और भाषाओं में भी अनुवाद किया जाएगा।

श्रीमती वशिनी शर्मा की रिपोर्ट

हिंदी और दूसरी भारतीय भाषाओं में यूट्यूब पर सारी सुविधाएँ

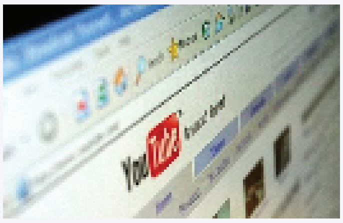

यूट्यूब आपके लोकेशन का पता लगाने के बाद आपको विकल्प देगा कि आप अपनी पसंदीदा भाषा को आगे के लिए सेट कर सकते हैं। मीडियानामा के अनुसार फिलहाल ये सुविधा हिंदी, गुजराती, कन्नड, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल और तेलुगू में मिलेगी। अगर आप पहली बार यूट्यूब इस्तेमाल कर रहे हैं, तो आपको चुनी हुई भाषा में तरह-तरह के वीडियो देखने का विकल्प मिलेगा। जो लोग यूट्यूब इस्तेमाल करते हैं, उनके लिए देखने की हिस्ट्री पर नज़र रखते हुए यूट्यूब की तरफ़ से वीडियो के सुझाव दिखाई देंगे। ऐसा पहली बार हुआ कि यूट्यूब भारत में अपनी सर्विस इतनी भाषाओं में खोजना आसान कर रहा है।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा की रिपोर्ट

प्रधान संपादक :

प्रो. विनोद कुमार मिश्र

सहायक संपादक :

श्रीमती श्रद्धांजलि हजगैबी-बिहारी

संपादकीय टीम :

सुश्री त्रिशिला सोमर, श्रीमती उषा देवी आकाजिया-राम, सुश्री जयश्री सिबालक, श्रीमती विजया सरजु

***

विश्व हिंदी सचिवालय

स्विफ़्ट लेन, फ़ॉरेस्ट साइड 74427, मॉरीशस

World Hindi Secretariat

Swift Lane, Forest Side 74427, Mauritius

फ़ोन/Phone: (230) 676 1196 * फ़ैक्स/Fax: (230) 676 1224

इ-मेल/Email: info@vishwahindi.com

वेबसाइट/Website: www.vishwahindi.com

***

Printed by BAHADOOR PRINTING LTD.
Avenue St. Vincent de Paul-Pailles
Tel: (230) 2081317

'विश्व हिंदी पत्रिका 2017' के लिए शोध-आलेख आमंत्रित

विश्व हिंदी पत्रिका विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरीशस की वार्षिक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका है, जिसमें वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी की स्थिति, हिंदी का उद्भव और विकास, हिंदी के क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान, हिंदी-शिक्षण व अधिगम से संबंधित आवश्यक व मार्गदर्शक शोध प्रकाशित किए जाते हैं। विश्व हिंदी पत्रिका के पूर्व अंक सचिवालय के वेबसाइट www.vishwahindi.com पर उपलब्ध हैं। पत्रिका के आगामी 9वें अंक में हिंदी भाषा और साहित्य के अतिरिक्त हिंदी और रंगमंच से संबंधित आलेख भी प्रकाशित किए जाएँगे। सचिवालय विश्व भर के हिंदी विद्वानों, शोधार्थियों व हिंदी चिंतकों की ओर से उपर्युक्त विषयों पर आधारित शोध आलेख आमंत्रित कर रहा है।

नियम व शर्तें :

- लेख का शोधपरक होना अनिवार्य है। लेख के विषय ऐसे हों, जो हिंदी के बढ़ते अंतरराष्ट्रीय वर्चस्व से परिचय कराते हों; चाहे वह शिक्षा, साहित्य, संस्था, आंदोलन, योजना-विशेष, सूचना-प्रौद्योगिकी, संचार माध्यम तथा ज्ञान-विज्ञान के किसी भी क्षेत्र में हों।
- लेख लगभग 2500 शब्द-संख्या का होना चाहिए।
- संपादक मंडल द्वारा स्वीकृति मिलने पर ही आलेख प्रकाशित किया जाएगा।
- संपादक मंडल द्वारा लेख स्वीकृत होने की स्थिति में मौलिक तथा अप्रकाशित लेखों के लिए विनम्र मानदेय होगा।
- लेखक का संक्षिप्त परिचय, पासपोर्ट आकार फ़ोटो एवं लेख के मौलिक तथा अप्रकाशित होने का प्रमाण-पत्र भी साथ भेजना अनिवार्य है।
- अंतिम तिथि 30 जून, 2017 होगी।
- आलेख डाक अथवा इ-मेल द्वारा भेजा जा सकता है।
- अधिक जानकारी के लिए फ़ोन, फ़ैक्स अथवा इ-मेल द्वारा संपर्क करें।

श्रद्धांजलि

प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी

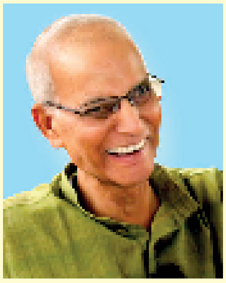

19 फ़रवरी, 2017 को हिंदी के विश्रुत व्यंग्यकर्मी, व्यंग्य समीक्षक तथा प्राध्यापक प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी का 68 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आपका जन्म 29 अक्टूबर, 1948 को भोजपुर के कायम नगर में हुआ। आपने सन् 1975 में पटना विश्वविद्यालय, बिहार से *'हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य'* विषय पर पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की और सन् 1983 में राँची विश्वविद्यालय से आपने *'हिंदी व्यंग्य-लेखन का शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण'* विषय पर डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। सन् 1975 में ही आप राँची विश्वविद्यालय में हिंदी प्राध्यापक के पद पर नियुक्त हुए तथा सन् 2010 में प्रोफ़ेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए। आपने व्यंग्य-लेखन की सभी विधाओं - व्यंग्य, लघु व्यंग्य, कविता, नाटक, व्यंग्यालोचन, पत्रकारिता में अमूल्य योगदान दिया। आपको 1986-1987 में 'शिवपूजन सहाय पुरस्कार', 1993 में 'सर्वश्रेष्ठ आलोचक का ताम्रपत्र', 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र राष्ट्रीय शिखर सम्मान', 1998 में 'राधा देवी स्मृति पुरस्कार', 1998 में 'लोकमान्य साहित्य सम्मान', 1998 में 'जगन्नाथ राय शर्मा स्मृति सम्मान', 2000 में 'राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान', 2002 में 'साहित्य शीर्ष सम्मान', 2005 में 'व्यंग्य शिखर सम्मान', 2008 में 'व्यंग्यश्री सम्मान'और 2009 में 'रचना सम्मान' से विभूषित किया गया। आपने 60 से अधिक पुस्तकों की रचना की, जिनमें 1978 में 'हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य', 1988 में 'हिंदी व्यंग्य के प्रतिमान', 1997 में 'सुगम काव्यशास्त्र', 2005 में 'हिंदी शब्द-शक्ति और पारिभाषिक शब्दावली', 2014 में 'व्यंग्यालोचन के पारद्वार', 2015 में 'हिंदी हास्य-व्यंग्य कोश', 2016 में 'नमनोस्मरण', 2017 में 'अनुवाद-शास्त्र' आदि शामिल है। विश्व हिंदी सचिवालय तथा समस्त हिंदी जगत् की ओर से आपको भावभीनी श्रद्धांजलि।

साभार : प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी का ब्लॉग